ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 13 Issue No. 09 Faridabad (NCR) Saturday, 01-15 June 2024 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निगरानी की कमी

मानव तस्करी में बल, धमकी या जबरदस्ती जैसे तरीकों का उपयोग करके व्यक्तियों को परिवहन करना, भर्ती करना, स्थानांतरित करना, आश्रय देना और प्राप्त करना शामिल हैं। इन कृत्यों और साधनों का अंतिम उद्देश्य इन व्यक्तियों का शोषण के उद्देश्य से उपयोग करना है। मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बन कर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनिया भर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं। एक अनुमान के अनुसार पिछले एक दशक में बांग्लादेश से लगभग 5 लाख महिलाएं, लड़कियां और बच्चे अवैध रूप से भारत में लाए गए और यह संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल आज भारत का सबसे बड़ा सेक्स बाजार बनकर उभरा है। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। देश भर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियां रिहा कराई गई, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। समाज के सबसे कमजोर वगरे में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है। उन जगहों, जहां उनका जीवन दयनीय है, से पलायन करने की इच्छा व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरु आती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। अन्य कारण हैं सीमाओं की छिद्रपूर्ण प्रकृति, भ्रष्ट सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों या नेटवर्क की भागीदारी और सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए आव्रजन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सीमित क्षमता या प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षों में तस्करी का खतरा ड्रग सिंडिकेट के बराबर एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट बन गया है। इसने पैसे और भ्रष्ट राजनेताओं की मदद से समाज में अपनी जड़ें गहरी जमा ली हैं। भारतीय कानूनी ढांचे में ठोस परिभाषाओं की कमी भी इस उद्देश्य में मदद नहीं करती है क्योंकि विभिन्न तस्कर कानूनी पण्रालियों में तकनीकी खामियों के आधार पर छूट जाते हैं। ठोस परिभाषाओं के बिना भी, कानून पर्याप्त होने चाहिए थे, लेकिन भारत में इन कानूनों के कार्यान्वयन में बहुत कुछ अधूरा रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निगरानी की कमी ने तस्करों के लिए अपना व्यापार जारी रखने के लिए एक नया मंच खोल दिया है। तस्करी की समस्या पर डेटा अपर्याप्त हैं, इसलिए तस्करों के पैटर्न और कार्य तंत्र उतने स्पष्ट नहीं हैं, जितने होने चाहिए। यहां तक कि जब पीड़ितों को तस्करों से बरामद किया जाता है तो उनका पुनर्वास इस तरह से नहीं किया जाता कि वे दोबारा तस्करी का शिकार न हों। मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है, और न केवल अल्प-विकसित तथा विकासशील देश, बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। मानव तस्करी भारत की भी प्रमुख समस्याओं में से एक है।

मुद्रास्फीति के विरोधाभासी रुख

एक मुद्रास्फीति कम हुई है, तो दूसरी महंगाई दर बढ़ी है। आप अचंभित न हों, क्योंकि महंगाई हमारे जीवन का अंतरंग हिस्सा बन गई है। सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अंडे, दालों, सब्जियों और मसालों की कीमतें कुछ कम हुई हैं। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के हैं, जो मुद्रास्फीति की सरकारी स्थितियों का खुलासा करते हैं। अलबत्ता खुले और बेलगाम बाजार की कीमतें कुछ और ही होंगी, लिहाजा मुद्रास्फीति उन्हीं के मुताबिक तय होगी। कुछ सर्वेक्षणों में 22 अर्थशास्त्रियों ने अप्रैल माह में खुदरा महंगाई के 4.87 फीसदी पर स्थिर रहने का अनुमान जताया था। उनका कहना था कि मार्च के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है, जो काफी हद तक मौसमी है। क्रिसिल ने अपनी रपट में कहा है कि भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जून तक तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावनाएं हैं, जिसका असर सब्जियों के उत्पादन पर पड़ेगा। नतीजतन अगले कुछ माह तक सब्जियां महंगी रह सकती हैं।

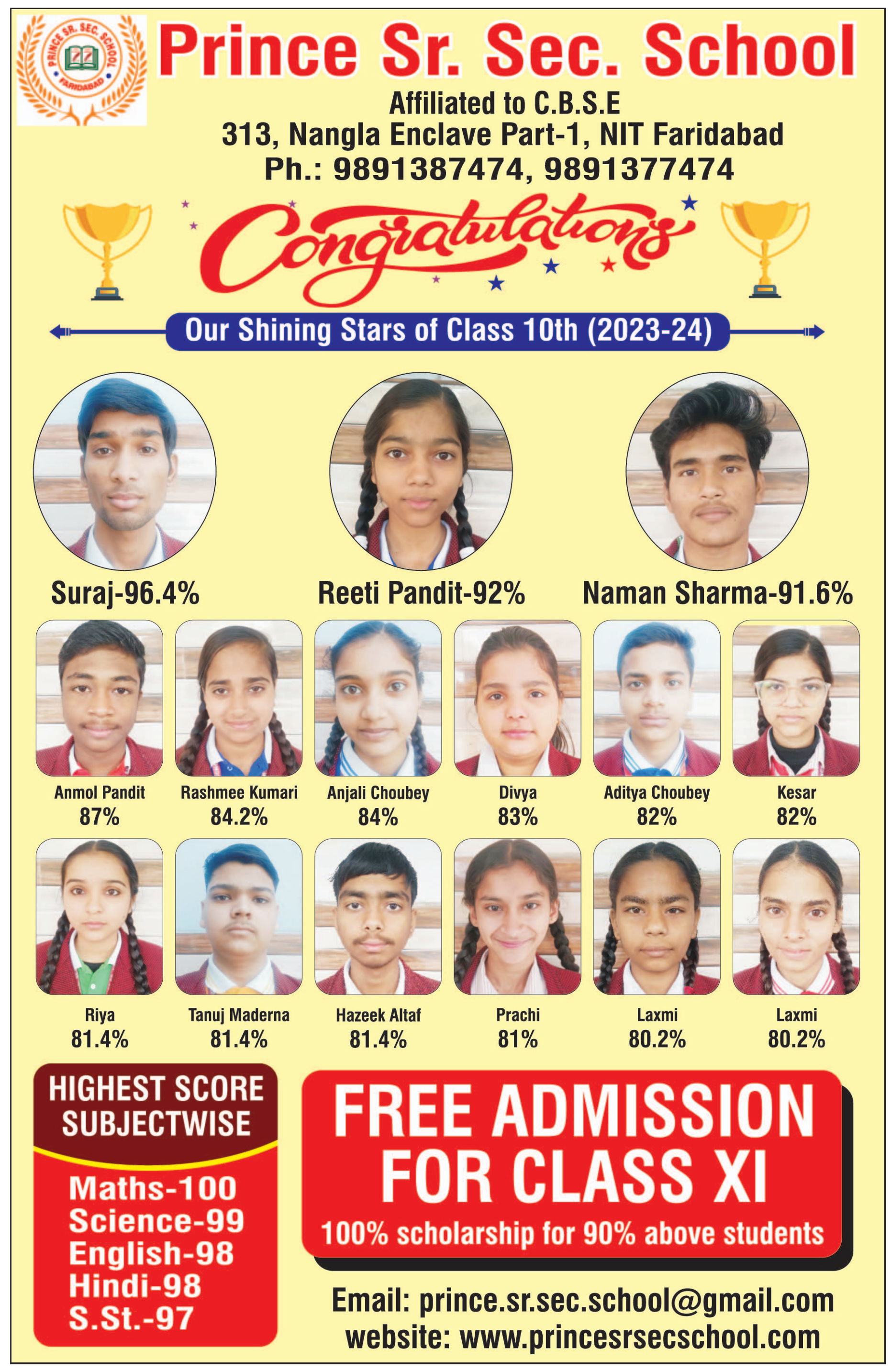

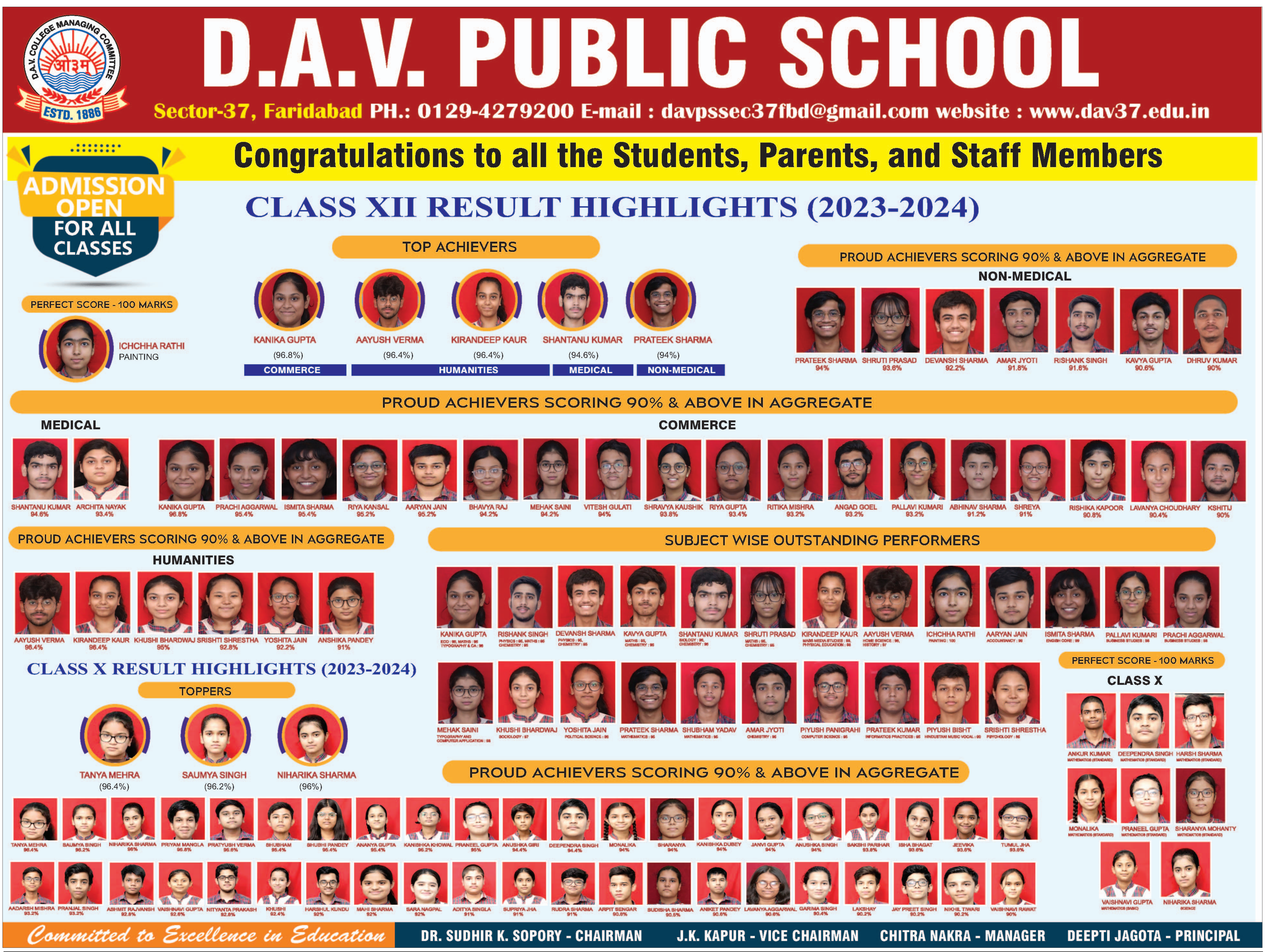

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिटेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

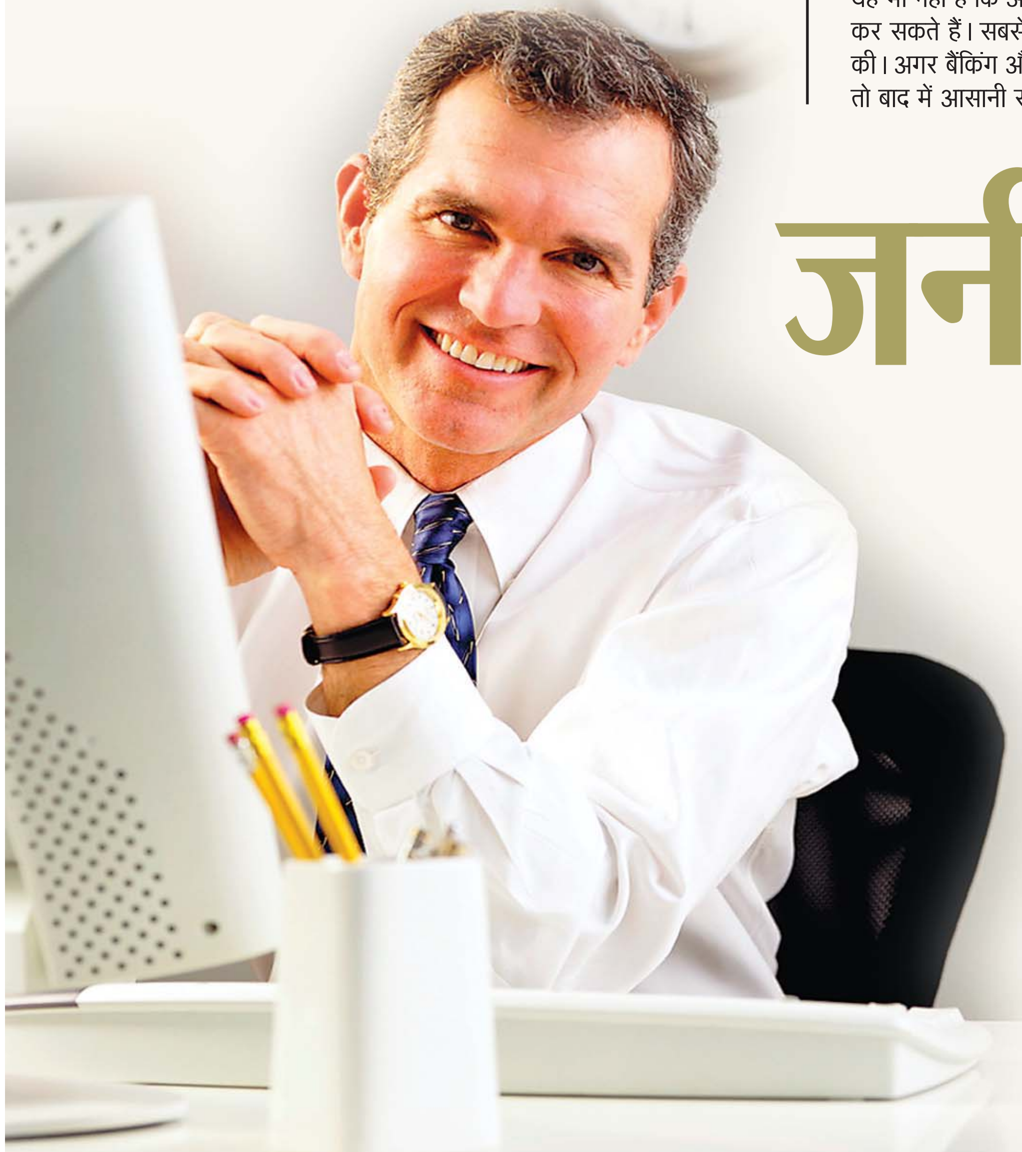

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है।

दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकेंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

एल्पिस स्कूल में विद्यार्थियों को चुनाव के प्रति जागरूक करने के लिए मॉनिटर इलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन

Faridabad/Alive News

जीवन नगर पार्ट -2 स्थित एल्पिस कॉन्वेंट स्कूल में लोकसभा चुनाव की तर्ज पर क्लास मोनिटर को चुनने के लिए चुनाव कराया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान तीसरी से बारहवीं क्लास के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस चुनाव प्रक्रिया की निगरानी स्कूल अध्यापिका प्रियंका और नीतू राणा ने की और अध्यापिका प्रीति, लक्ष्मी व अंजली को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। क्लास मोनिटर को चुनाव प्रक्रिया से चुनने की तैयारी करीब चार दिन पहले से शुरू की गई थी। 18 मई को सभी क्लास से तीन-तीन विद्यार्थियों ने अपनी पार्टी के सिम्बल के आधार पर नामांकन भरा और 19 मई को सभी नामांकन करने वाले उम्मीदवारों (विद्यार्थियों) को चुनाव चिन्ह दिए गए।

स्कूल की अध्यापिका (निर्वाचन अधिकारी) प्रीति, लक्ष्मी व अंजली ने बताया कि इस चुनाव प्रक्रिया के तहत तीन पार्टी बनाई गई थी, जिसमें पहली 'भारत माता पार्टी', दूसरी 'वंदे भारत पार्टी' और तीसरी 'उज्जवल भारत पार्टी' (काल्पनिक नाम) शामिल रही। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पहली 'भारत माता पार्टी'को 'तिरंगा' चिन्ह, दूसरी 'वंदे भारत पार्टी' को 'अशोक स्तंभ' चिन्ह और तीसरी 'उज्जवल भारत पार्टी' को 'अशोक चक्र' चिन्ह दिया गया।

आज मंगलवार को सभी कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने-अपने क्लास मोनिटर को वोट किया। प्रत्येक कक्षा में करीब 40 से 50 विद्यार्थियों ने वोटिंग की। इसके बाद परिणाम घोषित किया गया, जिसमें तीसरी कक्षा के प्रियांश 11 वोट लेकर भारत माता पार्टी से विजय होकर क्लास के मोनिटर बने। चौथी क्लास के कुलदीप 9 वोट लेकर वन्दे भारत पार्टी से विजयी होकर क्लास के मोनिटर बने। पांचवी क्लास के अखंड 7 वोट लेकर वन्दे भारत पार्टी से विजयी होकर मोनिटर चुने गए, छठी क्लास की प्राची 14 वोट लेकर वन्दे भारत पार्टी से विजयी होकर मोनिटर बनी। सातवीं क्लास के अंश वर्मा 18 वोट लेकर उज्जवल भारत पार्टी से विजयी होकर मोनिटर बने, आठवीं क्लास के दक्ष 11 वोट लेकर वन्दे भारत पार्टी से विजयी होकर मोनिटर बने, नौवीं क्लास के विक्की 9 वोट के साथ भारत माता पार्टी से विजयी होकर मोनिटर बनाए गए, दसवीं क्लास के प्रिंस कुमार 9 वोट से विजयी होकर वन्दे भारत पार्टी से मोनिटर बने, ग्यारहवीं क्लास के मनजीत 10 वोट से वन्दे भारत पार्टी से विजयी होकर मोनिटर बनाए गए और बारहवीं क्लास की प्रियंका ने वन्दे भारत पार्टी से 6 वोट से जीत हासिल कर मोनिटर बनी।

स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मदान ने बताया है कि लोकसभा चुनाव की तर्ज पर स्कूल में क्लास मोनिटर इलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को चुनाव प्रक्रिया का ज्ञान देना था। उन्होंने बताया कि सभी विद्यार्थियों ने मत पेटी में अपने वोट डालकर अपने मोनिटर को चुना। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के तहत चुनाव कराकर चुनाव के प्रति बच्चों को जागरूक करना था।

जजपा ने दो बागी विधायको की शिकायत की स्पीकर को, जल्द सदस्यता रद्द करने की मांग

Faridabad/Alive News

आखिरकार अब जननायक जनता पार्टी ने भी पार्टी के बागियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। खास बात यह है कि हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता को इस बारे में लिखित शिकायत देकर दो विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। अब इसके बाद जननायक जनता पार्टी के दो विधायकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पार्टी की ओर से दो बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने के लिए याचिका विधानसभा में लगाई गई है। अब देखना यह होगा कि क्या दोनों विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है या नहीं।

रामनिवास सुरजाखेड़ा व जोगीराम सिहाग के खिलाफ दी शिकायत

जजपा नरवाना विधायक रामनिवास सूरजाखेड़ा और बरवाला से विधायक जोगीराम सिहाग के विरुद्ध विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका लगाते हुए इन विधायकों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा पार्टी लाइन को तोड़कर भाजपा को समर्थन किए जाने, अनुशासन तोड़ने, गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी को लेकर पार्टी कार्यालय सचिव रणधीर सिंह की ओर से स्पीकर के समक्ष याचिका दायर की गई है। याचिका में दोनों विधायकों की तरफ से बयानबाजी करने और मीडिया में बोलने के मामले को मुद्दा बनाया गया है। इसके लिए वीडियो और मीडिया में जारी बयानबाजी को आधार बनाया गया है। यहां पर बता दें कि विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नामांकन में शामिल हुए थे।

रणजीत चौटाला के लिए चुनाव प्रचार कर रहे जोगीराम सिहाग

● जजपा नरवाना विधायक रामनिवास सूरजाखेड़ा और बरवाला से विधायक जोगीराम सिहाग के विरुद्ध विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका लगाते हुए इन विधायकों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा पार्टी लाइन को तोड़कर भाजपा को समर्थन किए जाने, अनुशासन तोड़ने, गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी को लेकर पार्टी कार्यालय सचिव रणधीर सिंह की ओर से स्पीकर के समक्ष याचिका दायर की गई है।

जोगीराम सिहाग भी हिसार सीट से भाजपा के प्रत्याशी रणजीत चौटाला के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी तरह से कुछ अन्य विधायक जजपा से नाराजगी जाहिर करते हुए, हिसार, सिरसा और अन्य स्थानों पर सक्रिय हैं, लेकिन खुलकर मीडिया में बयान आदि नहीं दिए है। पर्दे के पीछे से चीका विधायक ईश्वर सिंह और अन्य उनके असंतुष्ट साथी भी फील्ड में सक्रिय हैं। जजपा सचिव रणधीर सिंह ने विधानसभा स्पीकर ज्ञानचन्द गुप्ता को विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा और जोगीराम सिहाग के खिलाफ दल बदल कानून के तहत याचिका दायर करते हुए उन पर तुरंत ही कार्रवाई की मांग की। दोनो विधायक काफी समय से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बीजेपी का का समर्थन कर रहे थे।

पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली को भी पार्टी की ओर से नोटिस

विधायक देवेंद्र बबली को भी पार्टी के खिलाफ बोलने पर पार्टी की तरफ से नोटिस दिया है। बबली ने अभी तक किसी अन्य पार्टी की रैली में स्टेज सांझा नहीं किया है। इसके कारण फिलहाल उनके खिलाफ अभी तक दल बदल कानून के तहत कोई शिकायत नहीं दी गई है। कुल मिलाकर आने वाले दिनों में पार्टी लाइन के बाहर जाने वाले विधायकों पर शिकंजा कसने के लिए पूर्व डिप्टी सीएम और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्रवाई की तैयारी कर ली है।

डीसीपी एनआईटी ने चुनाव में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए आमजन को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

लोकसभा चुनाव के मद्दे नज़र डीसीपी एनआईटी कुलदीप सिंह ने धोज वा आसपास के गांवो के सरपंचो, नम्बरदारो वा आम जनता के साथ सभा आयोजित कर चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की। इस सभा में एसीपी महेश श्योराण, एसीपी विरेन्द्र सिंह वा एस. एच, ओ शिवचरण वा पुलिस टीम की मौजूद रही। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि डीसीपी एनआईटी द्वारा गांव धोज मे आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर गांव धोज वा आसपास के गांवो के सरपंचो, नम्बरदारो वा आम जनता के साथ शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जागरुक किया गया है। इसके साथ ही आमजन को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने वा आपसी भाई चारा बनाये रखने बारे सभी को चुनाव आयोग के दिशा निर्देश दिये गये है जो गांव घोज वा आसपास के ईलाके मे सभी समुदाय के लोग रहते है। सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जागरूक करते हुए बताया कि आगामी लोकसभा चुनावो मे किसी भी प्रकार की कोई विवादित घटना नही होने देंगे। आमजन से अनुरोध है कि वह मतदान के दौरान शांति बनाकर पुलिस का सहयोग करें।

डीएवी स्कूल-49 में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

Faridabad/Alive News

सेक्टर-49 सैनिक कालोनी स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल ने बारहवीं और दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में स्कूल की ओर से उन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिनके बारहवीं और दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजन गौतम ने शानदार परिणाम का श्रेय सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के सामूहिक अथक प्रयासों को दिया। उन्होंने सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र एकाग्रता से लक्ष्य केंद्रित होना बताया। विद्यालय के 56 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर स्कूल में नया इतिहास रचा है। कक्षा 12वीं की तिष्या बांगा ने 97.4 प्रतिशत और दसवीं के शौर्य सिंह ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता में चार चांद लगा दिए है। इन होनहार विद्यार्थियों ने अपने विचार सांझा करते हुए बताया कि अनुशासित होकर नियम अनुसार अध्ययन करना अति आवश्यक है एवं विद्यालय के शिक्षकों की अहम भूमिका का समर्थन किया।

इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने भी विद्यार्थियों को जमीन से आसमान तक पहुंचाने का श्रेय शिक्षकों को दिया। प्रधानाचार्य की ओर से भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने उनकी दूर दृष्टि और अथक प्रयासों की सराहना की।

सभी बुद्धिजीवी अभिभावकों ने डी.ए.वी. स्कूल को शानदार सफलता के साथ उच्च नैतिक मूल्य प्रदान करने वाली महान संस्था बताया एवं वर्तमान समय में उनकी बढ़ती प्रासंगिकता को एकमत से स्वीकार किया।

जीवा स्कूल में स्केटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

सैक्टर 21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में पहली इंटर स्कूल स्केटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह ओपन चैम्पियनशिप प्रतियोगिता जीवा स्कूल की ओर से ही आयोजित कि गई। इस प्रतियोगिता में फरीदाबाद समेत आस-पास के शहरों जैसे दिल्ली के भी कई स्कूलों एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के छोटे बड़े सभी बच्चों ने भाग लिया।

लगभग 60 स्कूली एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के 180 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें जीवा समेत डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद, सैक्टर 19, आइशर स्कूल, मॉडर्न डीपीएस, मानव रचना सैक्टर 14, चार्म वुड विलेज एवं सैक्टर 21सी, मनस्कृति स्कूल, अरावली इंटरनैशनल स्कूल सैक्टर 85, शिव नादर, राम मिलेनियम, के0,आर0 मंगलम, सरस्वती ग्लोबल, नारायणा, मॉडर्न दिल्ली इंटरनेशनल, दिल्ली स्कॉलर्स प्राइड, ग्रैंड कोलंबस, एम.वी.एन. सैक्टर 88, स्कोलर्स प्राइड सैक्टर 88, सैंट थोमस, केंद्रीय विद्यालय इत्यादि शामिल रहे।

इस स्पर्धा को कई आयु वर्ग में विभाजित किया गया, जैसे 0 से 5, 5 से 7,7से 9, 9 से11,11 से 14,14 से 17, एवं 17 से अधिक इन सभी आयु वर्गों के छात्रों ने बहुत कड़ी स्पर्धा में अपनी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सभी को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों को सर्वाधिक सात मेडल मिले जिनमें चार स्वर्ण, दो रजत, और एक कांस्य पदक शामिल हैं, सरस्वती ग्लोबल स्कूल को छः मेडल जिनमें तीन स्वर्ण, एक रजत, दो कांस्य पदक प्राप्त हुए, स्कॉलर्स प्राइड स्कूल को कुल पांच पदक प्राप्त हुए जिनमें दो स्वर्ण, एक रजत, दो कांस्य पदक विजेता रहे इसी प्रकार आईशर स्कूल के छात्रों ने दो स्वर्ण,दो रजत और एक कांस्य पदक प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय की उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव, संयोजिका सुशीला चौहान एवं कविता देवी ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया। विद्यालय के कोच नरेश अधाना, एवं उनकी स्पोर्ट्स टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने मेंअहम भूमिका निभाई। अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करना चाहिए एवं उन्हें सभी प्रकार के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा हो हमें हर हाल में सकारात्मकता अपनानी चाहिए।

उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देशः लोगों को मिले बिजली-पानी की बेहतरीन सुविधा

Faridabad/Alive News

हीट वेव से जिला व जिलावासियों के संरक्षण के उद्देश्य से उपायुक्तविक्रम सिंह ने जिला में बिजली-पानी की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला में कहीं भी किसी भी क्षेत्र में बिजली व पानी की समस्या पेश नहीं आनी चाहिए। उन्होंने आम जन मानस से भी अपील की कि वे गर्मी-लू से बचाव के लिए जरूरी हिदायतों की पूर्ण अनुपालना करें। लघु सचिवालय में मंगलवार को हीट वेव के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त विक्रम सिंह कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए बिजली व पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रखी जाए। यदि कहीं भी कोई समस्या आती है तो उसे तुरंत प्रभाव से दुरुस्त करें। लोगों को बिजली व पानी के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के चलते बिजली आपूर्ति को बेहतरीन करें। मतदान केंद्रों में बिजली की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहनी चाहिए। इसके लिए विशेष रूप से प्रबंध किये जायें। चुनाव में मतदान के दौरान सभी केंद्रों में बिजली रहनी चाहिए। साथ ही मतदान से पहले भी बिजली आपूर्ति जारी रखी जाए। साथ ही उन्होंने बिजली के खंभों व तारों पर आने वाली टहनियों व पेड़ो की भी कटाई-छंटाई करवायें। उपायुक्त विक्रम ने जिले में पानी की आपूर्ति की भी गंभीरता से समीक्षा की। हर क्षेत्र में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। पानी आपूर्ति के लिए ट्यूबवैलों की जांच करें और जहां मरम्मत की आवश्यकता हो वहां तुरंत करवायें। कहीं भी पानी की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सीवरेज व्यवस्था की भी समीक्षा की। सीवरों व नालों की नियमित रूप से सफाई करवायें। इस दौरान उपायुक्त ने लोगों का आह्वान किया कि वे हीट वेव से खुद को संरक्षित रखने के लिए जरूरी हिदायतों का पालन करें। खासतौर से बच्चों और बुजुर्गों का विशेष रूप से ध्यान रखें। इसके अलावा उन्होंने अन्य आवश्यक हिदायतें देते हुए दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, नगराधीश अंकित कुमार, डीएचबीवीएन के एसई नरेश कक्कड़ तथा जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन अमित जैन आदि अधिकारी मौजूद थे।

गर्मी व लू से बचाव के फरीदाबाद उपायुक्त ने दिये सुझाव

Faridabad/Alive News

जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़े बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, गर्मी के मौसम के मद्देनजर खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा बना रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी गर्मी से बचाव इलाज से भी बेहतर है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा द्वारा जनहित में बढती गर्मी के मौसम के मद्देनजर लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है।

लू से बचाव के लिए अपनाएं ये उपाय

उपायुक्त विक्रम सिंह ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि वे सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और गर्मी के मौसम में लू से बचे रहें। लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। इसके अलावा बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है। नंगे पांव बाहर न जाएं। काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलीहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ की छाया में आसरा लें।

खाने में यह प्रयोग करें-उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं। बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें, ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें,उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।

पालतू व अन्य जानवरों का लू से ऐसे बचाव करें-उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि पालतू जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें, उन्हें घर के भीतर रखें, पीने के पानी के दो बाउल रखें। ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें, यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें कही पेड़ो के छायादार स्थान में रखें,

मानव सुपर 21 की चयन परीक्षा में शामिल हुये 18 विद्यार्थी

Faridabad/Alive News

मानव सेवा समिति द्वारा मानव सुपर 21 मिशन के तहत संचालित ÷नीट व आईआईटी कोचिंग की चयन परीक्षा में दसवीं के 18 टॉपर विद्यार्थियों ने भाग लिया। समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा व मिशन संयोजक सुभाष शर्मा ने कहा है कि चयन परीक्षा के परिणाम के आधार पर शुरू के 11 मेधावी छात्रों का चयन किया गया है रविवार से इनकी कोचिंग शुरु कर दी जाएगी। कैलाश शर्मा ने कहा है कि समिति जरूरतमंद परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को मानव भवन सेक्टर 10 में चैरिटी के तौर पर नीट व आईआईटी की कोचिंग÷ करा रही है। मानव सुपर 21 में कोचिंग करने के बाद अब तक 10 से ज्यादा विद्यार्थियों का नीट,आईआईटी,एनडीए की उच्च शिक्षा में चयन हो चुका है

बीएम स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सामाजिक मुद्दों के बारे में किया जागरूक

Faridabad/Alive News

मुजेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र तथा पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी श्यामबीर की टीम ने सरूरपुर गांव में स्थित बीएम पब्लिक स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और उनके परिजनों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक किया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नशे की विभिन्न प्रकारों के सेवन के दुष्परिणाम आमतौर पर बहुत गंभीर होते हैं। यह एक समस्या है जो आधुनिक समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। नशे का सेवन आदिकारी और अनियमित बन जाने से अनेक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। पहले और सबसे महत्वपूर्ण दुष्परिणामों में से एक है स्वास्थ्य के लिए नकारात्मक प्रभाव। नशे के सेवन से शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर अस्थिरता पैदा होती है। यह रसायनों के नशीले प्रभाव के कारण होता है, जो अंततः स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, नशे के सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिसके कारण व्यक्ति अन्य बीमारियों से भी प्रभावित हो सकता है।

दूसरे दुष्परिणामों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी शामिल होती हैं। नशे के प्रभाव से दिमाग की क्षमता और निरंतरता प्रभावित होती है, जिससे व्यक्ति ध्यान और समय प्रबंधन की क्षमता खो देता है। यह आफतनगी, चिंता, और नकारात्मक विचारों का कारण बन सकता है।सामाजिक और पारिवारिक मानवीय संबंधों में भी नशे का दुष्परिणाम होता है। नशे के सेवन से व्यक्ति का व्यवहार बदल जाता है और वह सामाजिक संबंधों में अकारण वार करने लगता है। इसके परिणामस्वरूप, परिवार वालों और दोस्तों के साथ तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, नशे के दुष्परिणाम समाज को भी प्रभावित करते हैं। यह मानसिक स्थिति, शिक्षा, और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करके समाज में असंतोष और अस्थिरता ला सकता है। इसके परिणामस्वरूप, समाज की संरचना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और सामाजिक विघटनाएं बढ़ सकती हैं। इस प्रकार, नशे के दुष्परिणाम व्यक्ति, समाज, और स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए, हमें इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलानी चाहिए। इसके साथ ही आमजन को सड़क सुरक्षा यातायात नियमों तथा महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर किसी भी परिस्थिति में पुलिस मदद के लिए संपर्क करने का आह्वान किया।

गवर्नमेंट मॉडल स्कूल में विशेष सम्मान समारोह आयोजित

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल स्कूल, सराय में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में विद्यालय टॉपर मेरिटोरियस विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने इस अवसर पर बताया कि विद्यालय का दसवीं का परीक्षा परिणाम 98.55 प्रतिशत रहा है। विद्यालय के 52 विद्यार्थियों ने मेरिट लिस्ट में स्थान पाया है तथा 300 से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। विद्यालय के लिए सब से अधिक हर्ष का विषय यह है कि विद्यालय के दसवीं जी के छात्र मोहित ने 500 में से 477 अंकों के साथ 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि विद्यालय में हिंदी एवं इतिहास और शारीरिक शिक्षा के अधिकतम पद रिक्त रहे हैं। जिस की समय समय पर सूचना प्रशासनिक एवं शिक्षा अधिकारियों को दी जाती रही है। मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आज विद्यालय में पुरस्कार एवम स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया विद्यालय में द्वितीय स्थान सतेन्द्र दसवीं एच ने 500 में 476 अंक 95.20 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न्यायसंगत बनाना जरूरी

तिलक राज शर्मा

सिंह ने कोयला खदानों की रिन्यूबल एनेर्जी और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2009 में पहली बार ऐसा सोचा गया था। वर्ष 2009 में जब केंद्र सरकार इस परिकल्पना को लेकर आई थी तो उस वक्त यही सोचा गया था कि कोयला खदानों को बंद किए जाने के बाद उनका इस्तेमाल सिर्फ वनीकरण करने और कुछ हद तक उन्हें जल स्रोतों के रूप में किया जाएगा। साथ ही अचल संपत्ति के रूप में बनाई गई जायदाद जैसे कि इमारतें इत्यादि संबंधित समिति या स्थानीय शासन निकाय को कंपनी द्वारा वापस किया जाएगा। यह सिलसिला कमोबेश आज भी जारी है।

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्परिणामों के मद्देनजर भारत में रिन्यूबल एनेर्जी से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किये गये हैं। इसके तहत कार्बन एमिशन को खत्म करने के लिये कोयला खदानों को दीर्घकाल में बंद करना होगा। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि इन खदानों में काम करने वाली बड़ी श्रम शक्ति के हितों के लिहाज से न्यायसंगत ट्रांज़िशन का स्वरूप कैसा होगा और बंद होने वाली खदानों को रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन के लिये किस तरह बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा के लिये जलवायु थिंक टैंक 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' और 'स्वनीति' ने एक वेबिनार आयोजित किया। इसमें 'कोल इंडिया' की सौर शाखा के अधिशासी निदेशक श्री सौमित्र सिंह और अमेरिकी प्रान्त वेस्ट वर्जीनिया में कोलफील्ड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में सीनियर डायरेक्टर (कंजर्वेशन) कैसिडी रिले ने इस पूरे मामले के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

विशेषज्ञों का मानना है कि रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न्यायसंगत बनाना जरूरी है और भविष्य में खदानों के बंद होने से प्रभावित होने वाले समुदायों को रोजगार के वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराने के लिये उन्हें प्रशिक्षित किया जाना चाहिये।

सौमित्र सिंह ने न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी के समेकित परिप्रेक्ष्य को समझने के लिये कोल इंडिया की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव की वकालत करते हुए कहा कि कोल इंडिया द्वारा की गई पहल और भविष्य में कोयला खदानों को न्यायसंगत ट्रांज़िशन के मकसद से इस्तेमाल करने के लिए सोच में आमूल-चूल बदलाव करने की जरूरत है। कोल इंडिया स्तर पर पॉलिसी लेवल इंटरवेंशन सबसे ज्यादा जरूरी है ताकि न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी को समझा जा सके। दूसरा, सरकार की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव करने होंगे।

इसके लिए हमें बहुपक्षीय एजेंसियों की मदद लेनी होगी। साथ ही साथ केंद्र सरकार की भी सहायता जरूरी होगी। यह नीति से जुड़े मूलभूत मसले हैं जिन्हें बदलने की जरूरत है।

उन्होंने ऊर्जा संयंत्रों के लिये पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में जन भागीदारी पर जोर देते हुए कहा, ''वर्ष 1997 में विश्व बैंक के हस्तक्षेप से पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में पब्लिक शेयरिंग प्रक्रिया शुरू की गई थी। अगर यह वर्ष 1997 में किया जा सकता था तो भारत सरकार जस्ट ट्रांजीशन को भी अपने पॉलिसी प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर लागू कर सकती है। जहां तक कोल इंडिया का सवाल है तो और भी ज्यादा बड़ी नीतिगत पहल की जरूरत है।''

सिंह ने कोयला खदानों की रिन्यूबल एनेर्जी और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2009 में पहली बार ऐसा सोचा गया था। वर्ष 2009 में जब केंद्र सरकार इस परिकल्पना को लेकर आई थी तो उस वक्त यही सोचा गया था कि कोयला खदानों को बंद किए जाने के बाद उनका इस्तेमाल सिर्फ वनीकरण करने और कुछ हद तक उन्हें जल स्रोतों के रूप में किया जाएगा। साथ ही अचल संपत्ति के रूप में बनाई गई जायदाद जैसे कि इमारतें इत्यादि संबंधित समिति या स्थानीय शासन निकाय को कंपनी द्वारा वापस किया जाएगा। यह सिलसिला कमोबेश आज भी जारी है। हालांकि बाद में मौजूदा केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल में खदान बंद करने की गतिविधि को रिन्यूबल एनेर्जी के लिये इस्तेमाल करने की सोच स्थापित हुई है।''

सिंह ने भारत के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के मद्देनजर सामने खड़ी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, ''हम सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका मतलब यह है कि प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.50 प्रतिशत की दर से बढ़नी चाहिए। वर्तमान में हमारी कुल ऊर्जा आवश्यकता

की पूर्ति में कोयले का योगदान 48त्न है। अंदाजा लगाइए कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए क्या करना होगा।''

उन्होंने कहा कि इस लिहाज से देखें तो केंद्र सरकार अनेक योजनाओं के साथ आगे आई है। इसमें संपत्तियों को रिन्यूबल एनेर्जी में स्थापित करने का मंसूबा भी शामिल है। हम न सिर्फ अपनी खदानों को कोयला उत्पादन के परिप्रेक्ष्य में देख रहे हैं बल्कि अब हम यह भी देख रहे हैं कि कैसे अपने सतत विकास लक्ष्यों और रिन्यूबल एनेर्जी कार्यक्रमों में खदानों का इस्तेमाल किया जाए ताकि सतत विकास लक्ष्यों को भी हासिल किया जा सके।

सिंह ने खदानें बंद होने की स्थिति में उससे प्रभावित होने वाली आबादी को रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरतों पर कहा, ''एक यह भी सोच है कि स्थानीय समुदायों का समावेशी विकास किया जाए। भारत यह भी सोच रहा है बंद की गई खदानों की जमीन पर स्थानीय समुदायों को कार्यकुशल बनाने के लिये कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्हें वैकल्पिक ऊर्जा के कारोबार में शामिल किया जाए ताकि जब कोयला खदान वर्ष 2030-2035 तक बंद हो जाएं तो वे स्थानीय लोग अपनी सतत आजीविका को इन कार्यक्रमों के माध्यम से हासिल करने के लायक बन सकें।''

उन्होंने कहा, ''मेरा यह भी मानना है कि हमें न्यायसंगत ट्रांज़िशन को दो नजरियों से देखना चाहिए। पहला, एक ऐसा जेनेरिक प्रोग्राम बनाना चाहिए जो सभी परियोजनाओं के लिए समान हो। दूसरा, विभिन्न राज्यों की विविधताओं को देखते हुए एक ऐसा कार्यक्रम भी बनाया जाना चाहिए जो परियोजना विशेष के आधार पर लागू किया जा सके। इसके जरिए न्यायसंगत ट्रांज़िशन को अमली जामा पहनाया जा सकता है।''

सिंह ने इन महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के लिये वित्तपोषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एक बड़ा सवाल यह है कि इन कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण कौन करेगा। इसके लिए हमें योजना बनानी होगी ताकि हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के साथ मिलकर वित्त पोषण का इंतजाम कर सकें।

कोलफील्ड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में सीनियर डायरेक्टर ऑफ कन्वर्सेशन कैसिडी रीले ने रिन्यूबल एनेर्जी के लिये खदानें बंद करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालते हुए न्यायसंगत ट्रांज़िशन के लिये प्रभावित होने वाली आबादी को वैकल्पिक रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने वेस्ट वर्जीनिया में बंद हो चुकी कोयला खदानों वाले इलाकों मे श्रमिकों की तरक्की से संबंधित एक प्रस्तुति दी।

उन्होंने कहा कि जो वेस्ट वर्जिनिया पेयजल की गुणवत्ता और शिशु मृत्यु दर के मामले में पांच सबसे निचले राज्यों में शामिल था, वहां श्रम शक्ति के पुनरुद्धार को लेकर कोलफील्ड मॉडल के तहत किए गए कार्यों का व्यापक असर पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में रोजगार के 800 नए अवसर पैदा हुए हैं। साथ ही 160 मिलियन डॉलर से ज्यादा का नया निवेश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा दो लाख 60 हजार वर्ग फुट बेकार पड़ी संपत्ति को पुनरविकसित किया गया है और तीन हजार से ज्यादा लोगों को नए और सतत क्षेत्र में प्रशिक्षित किया गया है। 12 विभिन्न समुदायों ने इस मॉडल को अपनाना शुरू भी कर दिया है।

कैसिडी ने बताया कि उनकी संस्था का मिशन रोजगार हासिल करने के रास्ते की तमाम रूकावटों का सामना कर रहे लोगों को व्यक्तिगत पेशेवर और एकेडमिक रूप से विकसित करना, समुदाय आधारित रियल स्टेट डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना और उभरते हुए सतत क्षेत्र के नए प्रोग्राम्स डिजाइन करना और उन्हें बड़े पैमाने पर लागू करना है।

कैसिडी ने बताया कि कोलफील्ड मॉडल से श्रम शक्ति को कार्य कुशल बनने में इसलिए मदद मिली क्योंकि इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर एक ऐसी बारीक नीति अपनाई गई जो रोजगार हासिल करने में उत्पन्न रूकावटों से निपट सकती है। इसके अलावा गैर वित्तीय लाभकारी सामुदायिक क्षमता विकास के प्रयास इसलिए सफल हुए क्योंकि यह श्रम शक्ति के विकास के प्रैक्टिशनर्स को सक्षम बनाते हैं। भारत और अमेरिका के बीच संबंध पिछले दो दशकों में एक महत्वपूर्ण साझेदारी के रूप में उभरे हैं, जिसमें दोनों देश कई स्तरों पर सहयोग कर रहे हैं। उनमें से ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है।

जैसे-जैसे न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन के बारे में चर्चाएँ रफ्तार पकड़ती हैं, यह दोनों रणनीतिक साझेदारों को सहयोग को मजबूत करने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर देती हैं। अमेरिका जैसी विकसित अर्थव्यवस्था, जिसका ऊर्जा क्षेत्र मजबूत है के लिये स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण चर्चा का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इसी तरह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने की कोशिश कर रही भारत जैसी महत्वपूर्ण विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए रिन्यूबल एनेर्जी को तेजी से अपनाने सहित न्यायसंगत ऊर्जा रूपांतरण ने अपनी अहम जगह बना ली है। अमेरिका में कोयला खदानों/थर्मल संपत्तियों के पुनर्वास और रिन्यूबल एनेर्जी परियोजनाओं के लिए उनके उपयोग के बारे में चर्चाओं का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। लगभग 300 समाप्त/परित्यक्त/बंद कोयला खदानों के साथ भारत भी इसी राह पर है। ऐसी बंद संपत्तियों से निपटने के लिए एक संयुक्त व्यापार ढांचे का विकास महत्वपूर्ण हो गया है।

(लेखक अलाईव न्यूज के सम्पादक हैं)

संपादकीय

लोकतंत्र की अंतिम सप्तपदी रोचक

आजकल कोर्ट मैरिज का जमाना है इसलिए लोग धीरे-धीरे पारम्परिक विवाहों की प्रक्रिया को भूलने लगे है। पहले हिन्दू विवाह पद्यति में सप्तपदी के बिना विवाह संस्कार पूरा नहीं होता था। वर और वधु के बीच सात-पांच वचनों का एक मौखिक अनुबंध होता था। इसे ही भांवर पड़ना भी कहते थे। हिन्दू विवाह प्रथा की ही तरह लोकतंत्र में अब सप्तपदियाँ पढ़ी जाने लगीं है। सत्ता की सीता का वरण करने के लिए जो चुनाव पहले एक-दो दिन में निबट जाते थे उन्हें अब सात-सात चरणों तक खींचा जाने लगा है। सत्ताधीशों की सुविधा केलिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है।

अठारहवीं लोकसभा चुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने जब मतदान के लिए 7 चरणों की घोषणा की थी उसी समय इसे लेकर सवाल किये गए थे, किन्तु केंचुआ इन सवालों के जबाबों को या तो पी गया था या फिर गोलमोल जबाब देकर उसने बचने की कोशिश की थी, लेकिन देश की जनता हकीकत समझ चुकी थी कि जो किया जा रहा है सत्तारूढ़ दल की सुविधा को देखते हुए किया जा रहा है। बहरहाल मतदान के छह चरण पूरे हो चुके हैं, अर्थात सात में से छह भाँवरें पड़ चुकी हैं। । सातवीं भांवर 1 जून को पड़ेगी उसके बाद 4 जून को इस रहस्य से पर्दा उठेगा की सत्ता की सीता ने किस पार्टी या गठबंधन का वरण किया और किसे ठुकराया?

मतदान के सातवें चरण में काशी यानि बनारस की वो सीट भी है जिससे गंगापुत्र यानि प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी खुद चुनाव लड़ते है। उनकी सीट को मतदान के अंतिम चरण में जानबूझकर रखा गया या ये महज संयोग है, ये कहना न कठिन है और न बहुत आसान। आप जैसा चाहें वैसा समझ लें। उन्हें जीत की हैट्रिक नए कीर्तिमान कि साथ बनाना है। उनकी लोकप्रियता का असली पैमाना या मीटर काशी ही है। इस काशी में वे मुसलमान भी हैं जो ज्यादा बच्चे पैदा करने कि आरोपी भी है। वे मुसलमान भी हैं जो मंगलसूत्र छीनने कि लिए भी बदनाम किये जा चुके हैं। इसलिए ये चरण सत्ता की सीता को हासिल करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस चरण में सर्वाधिक 13 सीटें अकेले उत्तर प्रदेश से हैं। इन सीटों को जीते बिना भाजपा सत्ता की सीता को हासिल नहीं कर सकती।

सातवें चरण में उत्तर प्रदेश की जिन सीटों पर चुनाव होना है, उनमें वाराणसी की सीट भी शामिल है, जहां से नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर में भी इसी चरण में चुनाव होना है। महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, सलेमपुर, चंदौली, मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज में भी भाजपा की अच्छी-खासी पकड़ है। भाजपा के लिए दिक्कत गाजीपुर, घोसी और बलिया की सीट पर होने वाली है। इनमें गाजीपुर और घोसी की सीट पर भाजपा चुनाव हार भी चुकी है। घोसी, बलिया और गाजीपुर की लोकसभा सीट भाजपा के लिए मुश्किल इसलिए भी मानी जा रही है क्योंकि हालिया यूपी चुनाव 2022 में इन इलाकों में आने वाली विधानसभा सीटों पर भाजपा की हालत काफी खस्ता रही थी। इन 3 लोकसभा इलाकों में 15 विधानसभा की सीटें हैं। इनमें से सिर्फ दो सीटें ही भाजपा जीत पाई थी। बाकी सभी सीटें विपक्षी दलों कांग्रेस, सपा और बसपा के पास गई थीं।

आगामी 1 जून 2024 को देश के कुल 8 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में बाकी के बचे 57 लोकसभा सीटों के लिए वोटिंग की जाएगी। इन 8 राज्यों में सात राज्य बिहार, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और एक केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनावों से ठीक पहले बिहार, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड में ऑपरेशन लोटस चलकर सत्ता हासिल करने की कोशिश की थी। भाजपा को अकेले बिआहर में कामयाबी मिल। इससे पहले महाराष्ट्र में भी आपरेशन लोटस के जरिये भाजपा सत्ता तक पहुंची, अब यही राज्य भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। भाजपा ने अनेक मुद्दों और अवसरों पर केंद्र का साथ देने वाले ओडिशा को छेड़कर भी इस बार अपनी मुसीबतें बढ़ा ली हैं।

देश में ऐसा कोई राज्य नहीं है जहाँ इस चुनाव में भाजपा को चुनौतियों का सामना न करना पड़ रहा है। यहां तक की मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जहाँ भाजपा ने पिछले साल ही सरकारें बनाई थीं वहां भी 2019 की तरह क्लीनस्वीप करना आसान नजर नहीं आ रहा। बकौल अरविंद केजरीवाल भाजपा अब पंजाब और दिल्ली में ऑपरेशन झाड़ू चलने वाली है। इसे नाकाम करने कि लिए केजरीवाल अपने सहयोगी दलों कि साथ मोर्चे पर हैं। भाजपा ने पूरे इंतजाम किये हैं की केजरीवाल हों या हेमंत सोरेन सत्ता की नयी दुल्हनिया कि दीदार किसी भी सूरत में न कर पाएं।

इस अंतिम चरण की सबसे ज्यादा हाट सीट काशी ही ह। कहते हैं कि भाजपा ने इस बार अपने सबसे बड़े नेता को देश के चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी जीत का तोहफा देने का टारगेट सेट किया है. भाजपा ने वाराणसी सीट पर 10 लाख से भी अधिक वोट के अंतर से जीत का लक्ष्य रखा है। किसी चुनाव में सबसे अधिक वोट के अंतर से जीत का कीर्तिमान फिलहाल भाजपा के ही सीआर पाटिल के नाम दर्ज है। पाटिल 2019 के चुनाव में गुजरात की नवसारी सीट से 6 लाख 89 हजार वोट के अंतर से जीते थे। पार्टी नहीं चाहती कि चुनाव अभियान में किसी तरह का लूपहोल रह जाए। इसीलिए पूरा संगठन और सरकार इस समय काशी में मौजूद है।

फिल्म 'लापता लेडीज' गढ़ती है महिलाओं की अलग कहांनी

मिताली खोड़ियार, रायपुर (छत्तीसगढ़)

कुछ सालों पहले फिल्म आई थी 'थप्पड़' जिसमें एक महिला एक थप्पड़ की वजह से अपने पति से अलग होना चाहती है। लोग उसे समझाते हैं, बहलाते हैं कि महज एक थप्पड़ की वजह शादी तोड़ना सही नहीं क्योंकि पति द्वारा पत्नी को मारना एक सामान्य घटना है। महिला को एक थप्पड़ की वजह से वे अनगिनत अदृश्य थप्पड़ दिखाई दे गए, जो उसे रोज पड़ते थे और जिन्हें वह लगातार अनदेखा करती आ रही थी। महिला सम्मान आज भी पितृसत्तात्मक समाज में दुर्लभ है। लापता लेडीस भी महिलाओं की वास्तविक स्थिति हँसी-मजाक के रूप में सबके सामने रखती हैं। गाँव की एक स्त्री हँसकर कहती है ङ्क मुझे तो याद ही नहीं कि मुझे खाने में क्या पसंद है। लगभग सभी महिला पात्र हँसते-हँसते ऐसी गंभीर बातें कहती हैं कि लोग एक पल के लिए महिलाओं की दुखद स्थिति को सोचने को मजबूर हो जाए ।

एक दुल्हन जिसे अपने ससुराल और मायके के पते की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है गर्व से कहती है मुझे सबकुछ सिखाया गया है। चाय बेचने वाली महिला उसे बुड़ बक कहकर हँसती है। बेटियों को हम चलना, हँसना, बोलना, खाना बनाना अपमान सहना, विरोध न करना ऐसे गुणों की तो भरपूर शिक्षा देते हैं, पर बाहर दुनिया से कैसे लड़ना है कैसे जीना है, क्या गलत है क्या सही हैं इसकी शिक्षा देना जरुरी नहीं समझते। फिल्म

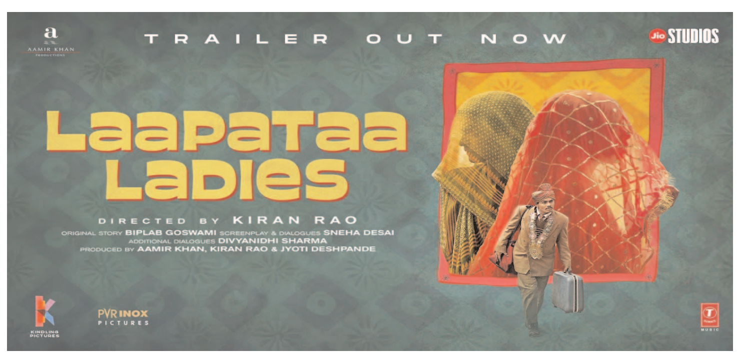

समाज में फैली रूढ़िवादिता पर भी चोट करती है। पति का नाम न लेना, लम्बा घूँघट निकालना, महिला शिक्षा को बढ़ावा नहीं देना, सच ही घरेलू हिंसा, दहेज़ प्रथा पर कम शब्दों में पर गहरी बात करती है।

एक नई दुल्हन जो अपने पति को खोज रही है और दूसरी नई दुल्हन जो आगे पढ़ना चाहती है। देखा जाए तो फिल्म का हर एक पात्र कुछ न कुछ सिखाता है खासकर महिला पात्र। चाय बेचने वाली महिला एक संवाद ज्यादा नहीं पर बहुत सशक्त हैं। गाँव की 'फूल' कलाकंद बनाकर अपने जीवन की पहली कमाए की खुसी महसूस करती है वही 'जया' अपने मनपसन्द विषय में दाखिला लेकर अपने सपनों को जीती है। फिल्मों में पुलिस की छवि आमतौर से नकारत्मक छवि की प्रस्तुत की जाती है पर इस फिल्म में जैसे पुलिस महिलाओं को उनके अधिकारों के बारें में सतर्क करती है।

फिल्म में एक गलती की वजह से दो महिलाओं के जीवन में बदलाव आता है। जया अपने सपनों को जीने जा ही रही होती है कि तभी उसे फूल का ख्याल आता है और वह उसे खोजने की योजना बनाती है और उसके प्रयासों से फूल को उसका ससुराल मिल भी जाता है। गाँव की भाभी को पहली बार पता चलता है कि वो एक अच्छी चित्रकार है। महिला ही महिला की दुश्मन होती है इस भ्रम को तोड़ती यह फिल्म कहती है कि महिला ही महिला की सच्ची मदद कर सकती है।

फिल्म के अंत में जब फूल अपने पति का नाम जोर से सबके सामने पुकारती है तो लगता है जैसे एक महिला समाज के सारे सड़े-गले नियमों को तोड़कर आगे बढ़ रही है। 'जया' जब बस में बैठकर पढ़ाई करने जाती है तो जैसे फिल्म कहती है कि - बेटियों जाओं समाज के सारे नियमों को तोड़कर अपने सपनों को पूरा करो। छत्तीसगढ़ की निवासी होने के नाते फिल्म में छत्तीसगढ़ का नाम सुनकर मेरी आंखे चमक गई। छत्तीसगढ़ में गाँवों और जंगलों के अलावा भी अन्य सुन्दर चीजें हैं। फिल्म में छत्तीसगढ़ के बारे में थोड़ी और अच्छी बातों का शहद घुला होता तो फिल्म थोड़ी और मीठी लगती।

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

साभार

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह

जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है,

दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं?

प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है।

राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है।

आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है।

सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है। राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। इंसान का जीवन कितना सस्ता हो गया है। अपने धन लाभ के लिये कितने इंसानों के जीवन को दांव पर लगा देता है। मालिकों से ज्यादा दोषी ये अधिकारी और कर्मचारी हैं। अगर ये अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते तो उपहार सिनेमा अग्निकांड नहीं होता, नन्दनगरी के समुदाय भवन की आग नहीं लगती, पीरागढ़ी उद्योगनगर की आग भी उनकी लापरवाही का ही नतीजा थी। बात चाहे पब की हो या रेल की, प्रदूषण की हो या खाद्य पदार्थों में मिलावट की- हमें हादसों की स्थितियों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करने ही होंगे।

तेजी से बढ़ता हादसों का हिंसक एवं डरावना दौर किसी एक प्रान्त या व्यक्ति का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल को जख्मी किया है। इंसानों के जीवन पर मंडरा रहे मौत के तरह-तरह की डरावने हादसों एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। स्थानीय निकाय हो या सरकारें, लाइसेंसिंग विभाग हो या कानून के रखवाले- अगर मनुष्य जीवन की रक्षा नहीं की जा सकती

तो फिर इन विभागों का फायदा ही क्या? कौन नहीं जानता कि ये विभाग कैसे काम करते हैं। सब जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर इंस्पैक्टर आते हैं और बंधी-बंधाई राशि लेकर लौट जाते हैं। लाइसेंसिंग विभाग में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। नैतिकता और मर्यादाओं के इस टूटते बांध को, लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते इन आदमखोरों से कौन मुकाबला करेगा? कानून के हाथ लम्बे होते हैं पर उसकी प्रक्रिया भी लम्बी होती है। कानून में अनेक छिद्र हैं। सब बच जाते हैं। सजा पाते हैं गरीब आश्रित, निर्दोष अभिभावक जो मरने वालों के पीछे जीते जी मर जाते हैं। पुलिस ÷व्यक्ति÷ की सुरक्षा में तैनात रहती है ÷जनता÷ की सुरक्षा में नहीं। भ्रष्ट अधिकारी नोट जुगाड़ने की कोशिश में रहते हैं, जनता की सुरक्षा के लिये नहीं। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पेठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, ÷घर-घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लाऊं÷। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

10 पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र और नकद इनाम देकर किया प्रोत्साहित

Faridabad/Alive News

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य द्वारा ड्यूटी के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों की हौसलाअफजाई करने के लिए 'हीरो ऑफ द वीक' अभियान शुरू किया गया था। जिसमें सम्मानित किए जाने वाले पुलिसकर्मियों के साथ चाय पर चर्चा कर उनके द्वारा किए गए कार्य के बारे में जाना गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिन पुलिसकर्मियों ने अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य किया है उन्हें पुलिस आयुक्त ने अपने कार्यालय में चाय पर चर्चा करते हुए उनके कार्यों के अनुभवों के बारे में जाना गया। साथ ही चाय पर चर्चा करते हुए पुलिस कार्यप्रणाली को बेहतर करने के लिए उनसे सुझाव व उनके व्यक्तिगत समस्या के बारे में पूछकर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया और बतौर हीरो सम्मानित करने के लिए प्रशंसा पत्र व इनाम दिया गया।

सेन्ट्रल जोन

29 अप्रैल को सैक्टर-16 की मार्किट में एक व्यक्ति के द्वारा एटीएम मशीन से बार-बार पैसे निकालते हुए देखा। जिसको शक होने पर चैक किया तो आशीष नाम के व्यक्ति से 38 एटीएम कार्ड अलग-अलग बैंक के तथा 7.80 लाख रुपए तथा 8 अलग अलग कम्पनियो के मोबाइल नम्बर सहित फोन तथा एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। आरोपी को प्रबंधक थाना सेक्टर-17 के हवाले किया गया है जिसके खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में थाना साइबर सेन्ट्रल में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी से पूछताछ के दौरान उसने अपने साथी संजय के बारे में जानकारी दी जो बुलंदशहर का रहने वाला है। आरोपी की जानकारी के आधार पर आरोपी संजय को खेड़ीपुल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि उनका एक साथी पवन फरार है जिसके लिए आशीष काम करता था। आरोपी मजदूरी करने वाले लोगों को 1 लाख रुपए लोन

दिलवाने का लालच देकर उनका एटीएम तथा चेकबुक ले लेते थे और बदले में उन्हें 10 हजार रूपए दे देते थे। इस मामले में मुख्य आरोपी पवन को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। आरोपी पवन उन खातों में कहां से पैसे डलवाता था इसकी जानकारी पवन से पूछताछ कर प्राप्त की जाएगी

क्राइम ब्रांच

साइबर सेल में तैनात मुख्य सिपाही दिनेश कुमार ने छान्यसा थाने में हत्या की धाराओं के तहत दर्ज मुकदमा नंबर 63 में सवा महीने से फरार चल रहे आरोपी दीपक तथा कृष्णा को गिरफ्तार करवाने में तकनीकी सहायता प्रदान करके अहम भूमिका निभाई थी। 21 मार्च को छायंसा के केजीपी पुल यमुना नहर के पास रेनू नामक युवती का शव मिला जिसके गले पर काफी चोट के निशान थे। आरोपियो से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दीपक मृतिका रेनू को पिछले 5/6 साल से जानता है और साथ रह रहा था। मृतिका अभी 2/3 साल से बाहर रह रही थी जो अभी गुरुग्राम में आई थीऔर एक घर अफोर्डेबल हाउस लेने की तलाश में थी जिसके लिए उसने अपने दोस्त से इस बारे में बात की। आरोपी ने मृतिका के खाते में 30 लाख रुपए देखे तो आरोपी को लालच आ गया। युवती को घुमाने के बहाने से केजीपी, यमुना नदी लेकर गये और मौका देखकर और अपने साथी कृष्ण के साथ मिलकर रस्सी से गला दबा कर हत्या की वारदात को अनजाम दिया और डेड बॉडी को छुपाने के लिए छायंसा केजीपी पुल के पास फेंक गए। आरोपी दीपक ने मृतिका के फोन से अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। क्राइम ब्रांच 48 में तैनात सिपाही संदीप ने स्नैचिंग की चार वारदातों में मोबाइल छीनने वाले 8 आरोपियों रोहित, मोहित, आबिद, रोबिन, नासिर उर्फ भोपा, कामिल, रामू तथा मुकेश को तकनीकी व गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर मार्च व अप्रैल महीने में अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार करवाने में अहम भूमिका निभाई है। आरोपियों से मुकदमों में 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी रोबिन तथा नासिर के खिलाफ स्नैचिंग तथा चोरी के तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ऊंचागांव में तैनात मुख्य सिपाही ललित ने 10 अप्रैल को आदर्श नगर थाने में स्नैचिंग की धाराओं के तहत दर्ज मुकदमे में तकनीकी सहायता के आधार पर दयालपुर निवासी आरोपी पंकज तथा रोहित को वारदात के मात्र 12 घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उक्त दोनों आरोपियों ने रात करीब 11 बजे मोहना रोड़ पर एक बाइक सवार के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगाकर उसके साथ मारपीट की और उससे 6200 रुपए तथा कागजात छीन लिए।

श्री सिद्धदाता आश्रम के संस्थापक स्वामी सुदर्शनाचार्य की पुण्यतिथि पर जुटे हजारों भक्तगण

Faridabad/Alive News

श्री सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम में आज संस्थापक वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज की पुण्यतिथि पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने सैकड़ों भक्तों को गुरूजी के बारे में बताया। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि एक गुरु अपने जीवन शक्ति से शिष्यों के जीवन को सद्मार्ग पर चलाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु अपने शिष्य के जीवन में वो कर सकते हैं जो भगवान भी नहीं कर सकते। क्योंकि भगवान अपने बनाये नियमों में स्वयं को बांध लेते हैं जबकि गुरु अपने शिष्य को भगवान् के मार्ग में लगाकर सर्व मनोकामना पूर्ण करते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु महाराज ने हमें मानव जीवन सफल बनाने के लिए सेवा, शरणागति को प्रमुख बताया है।आप लोग भी इस कलिकाल में अपने जीवन को सफल बनाने के लिए सेवा और शरणागति को जीवन में अपनाएं। इस अवसर पर महंत कैलाशनाथ हठयोगी एवं प्रोफेसर रामबीर सिंह ने भी गुरु महाराज एवं आश्रम के बारे में अपने अनुभव साझा किये। श्री सिद्धदाता आश्रम में आयोजित शिविर में आश्रम के सेवाभावी चिकित्सकों की टीम ने सैकड़ों लोगों के आंख , कान, नाक, गला, हदय, स्त्री रोग, पेट इत्यादि का एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, प्राकृतिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से रोगोपचार किया। इसके आलावा अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, रोटरी क्लब संस्कार फरीदाबाद, यूनिपैथ लैब डायग्नोस्टिक दिल्ली, मानव रचना डेंटल कॉलेज फरीदाबाद के चिकित्सकों ने भी शिविर में सहयोग किया। इस अवसर पर निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन, खून की जाँच एवं दांतों के रोगों की जांच की गयी। इस अवसर पर आँखों की जाँच की एक आधुनिक मशीन का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में भक्त जुटे और बाबा को श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज ने श्री सिद्धदाता आश्रम की स्थापना 1989 में की थी जिसके बाद यहां मुक्ति भुक्ति के लिए देश विदेश से आने वाले भक्तों का ताँता लगा रहता है।

डी.ए.वी पुलिस स्कूल में पुलिस आयुक्त ने की शिरकत

Faridabad/Alive News

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने सेक्टर-31 के डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित किए गए सिंफनी ऑफ अचीवमेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए जीवन में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद में सिंफनी ऑफ अचीवमेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस आयुक्त फरीदाबाद राकेश आर्य ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या हेमा अरोड़ा ने पौधा भेंट कर किया एवं स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी सक्षम अहलावत ने मुख्य अतिथि को बैज लगाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्या हेमा अरोड़ा द्वारा शिक्षा एवं खेल जगत में कीर्तिमान स्थापित करने वाले छात्रों को ब्लेजर, बैज, प्रशस्ति पत्र व छात्रवृत्ति प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। छात्रों द्वारा गायन व नृत्य प्रस्तुति की गई, जिसे देखकर दर्शकगण मंत्र मुग्ध हो गए। मुख्य अतिथि ने छात्रों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्हें इसी प्रकार एकजुट होकर उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी भूरि- भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि द्वारा डी.ए.वी.संस्था के नैतिक मूल्यों की भी सराहना की गई, तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रधानाचार्या ने सभी छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा अभिभावकों के सहयोग व योगदान की सराहना करते हुए आगामी सत्र में भी छात्रों के इसी तरह की उपलब्धियों को हासिल करते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ द्वारा किया गया।

राजस्व सीमा के भीतर ड्रोन या कोई भी कम-उड़ान वाली वस्तु उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंधः जिलाधीश

Faridabad/Alive News

जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि जिला फरीदाबाद में कानून और व्यवस्था की समस्याओं, सुरक्षा खतरों और असामाजिक तत्वों और अन्य लोगों द्वारा ड्रोन के दुरुपयोग की संभावना को देखते हुए ड्रोन और कम-उड़ान वाली वस्तुओं आदि को उड़ाने पर तत्काल प्रतिबंध लागू करने के आदेश जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि यह आदेश जिला फरीदाबाद की राजस्व सीमा के भीतर दिनांक 24मई (12~01 पूर्वाह्न) से 26मई (रात्रि 11~59 बजे तक) यानी 3 दिन की अवधि तक लागू रहेंगे। उन्होंने बताया कि यदि पुलिस कर्मी और अन्य सरकारी अधिकारी,एजेंसियां पूरी तरह से अपने आधिकारिक कर्तव्यों के सिलसिले में ड्रोन का उपयोग करते हैं, तो वे शर्तों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। पुलिस कर्मी और अन्य सरकारी अधिकारी अपनी सेवा वर्दी में हैं तथा वे सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए अपने आधिकारिक कर्तव्यों के संबंध में ड्रोन का उपयोग करने के लिए अधिकृत करने वाले अपने पहचान पत्र और प्राधिकरण कार्ड को साथ रखते हैं। यह छूट उपर्युक्त कर्मियों पर तभी लागू होती है जब वे आधिकारिक ड्यूटी पर हों। कुछ सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान फोटोग्राफी के लिए ड्रोन का उपयोग करना, जिसके लिए जिला मजिस्ट्रेट, फरीदाबाद की पूर्व अनुमति लिखित रूप में प्राप्त की गई है, इन सामाजिक कार्यक्रमों में रिंग समारोह, प्री-वेडिंग फोटोशूट, शादी समारोह और सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे राजनीतिक रैलियां आदि शामिल हो सकते हैं। जिलाधीश ने बताया कि इस आदेश की आकस्मिक प्रकृति को देखते हुए, इसे एक पक्षीय रूप से जारी किया जा रहा है तथा इन आदेशों का कोई भी उल्लंघन आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई को आमंत्रित करेगा।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

आज राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-55 में रोटरी क्लब संस्कृति, फ़रीदाबाद के सौजन्य से प्रधानाचार्य सतेन्द्र सोरौत के नेतृत्व में सर्विकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विद्यालय की 109 छात्राओं को दूसरी डोज का निःशुल्क टीका लगाया गया जबकि निजी अस्पतालों में यह टीका बहुत मंहगा है और गरीब बच्चों के लिए इसका खर्च वहन करना बहुत मुश्किल है। यह टीकाकरण कार्यक्रम रोटरी क्लब संस्कृति, फरीदाबाद के प्रधान अनुज सिंघल, क्लब की प्रथम महिला अलका सिंघल तथा क्लब के अन्य सदस्य सुनील खंडूजा, पवन सिंघल, सुनील जिंदल, विवेक अग्रवाल, अतुल गुप्ता, अनिल बंसल, सुनील अग्रवाल इत्यादि के अद्भुत प्रयासों से आयोजित किया गया। जिसके लिए रोटरी क्लब संस्कृति एवं रोटरी कैंसर फाउंडेशन के उक्त सभी पदाधिकारी सराहना के पात्र हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यह टीका 6 तरह के कैंसर के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करेगा। शिविर के सफल संचालन में विद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. कुलदीप सिंह एवं वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती ज्योति सोरौत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आवश्यक सहयोग दिया। इस अवसर पर टीकाकरण टीम एवं रोटरी क्लब के सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य श्री सतेंद्र सोरौत ने रोटरी क्लब संस्कृति एवं रोटरी कैंसर फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों का एवं उपस्थित डॉक्टरों का स्वागत किया तथा मानवता के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण

योगदान देने के लिए विशेषकर? रोटरी क्लब संस्कृति के प्रधान श्री अनुज सिंघल, श्रीमती अलका सिंघल तथा श्री सुनील खंडूजा के अद्भुत प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अनेकों अभिभावक एवं विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष ओमवीर सिंह, सदस्य अंगद सिंह व पूर्व अध्यक्ष नीरुपाल आदि भी उपस्थित रहे।

गलियों में जमा हुआ दूषित पानी, छह महीने से लोग परेशान

Faridabad/Alive News

वार्ड 7 की जवाहर कॉलोनी की सारन स्कूल के पीछे गली नबर 2 में काफी समय से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है गली में सीवर का दूषित पानी जमा होने से स्थानीय लोग परेशान है। गली में दूषित पानी जमा होने के कारण लोगों का बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो गली में दूषित पानी जमा होने के कारण इस मार्ग से लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है। गली में एकत्रित सीवर का गंदा पानी स्थानीय निवासियों के बीच विभिन्न बीमारियों का कारण बना है। गंदे पानी से उठ रही बदबू के कारण लोगों का मोहल्ले में रहना भी मुश्किल हो गया है।

क्या कहना है लोगों का

हमारे यहां काफी समय से सीवर ओवरफ्लो हो रहा है इसकी वजह से घर से निकलना भी मुश्किल हो रहा है।काफी बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कर्मचारी स्थाई समाधान नही कर रहे हैं।

-विक्रम सिंह राठौर, स्थानीय निवासी

बदबू के कारण हमारा यहां रहना मुश्किल हो रहा है। स्कूल के बच्चे गंदगी से होकर गुजर रहे हैं ।बीमारी बढ़ने का खतरा बना हुआ है

-नीतेश, स्थानीय निवासी

क्या कहना है अधिकारी का

इसकी उनके पास कोई शिकायत नही आई है। आपके माध्यम से अभी पता चला है। जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

-पदमभूषण, कार्यकारी अभियंता नगर निगम फरीदाबाद।

जीवा स्कूल में अद्भुत अभिवृद्धि कार्यक्रम का आयोजन

Faridabad/Alive News

जीवा स्कूल में शिक्षकों के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से एक अद्भुत अभिवृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी अध्यापकों के लिए नवीनतम ऊर्जा से भरपूर भ्रमण का आयोजन किया गया। शिक्षकों को ग्रेटर फरीदाबाद स्थित जीवाग्राम ले जाया गया।जीवाग्राम फरीदाबाद का एकमात्र आधुनिक एवं समग्र सुविधाओं से सुसज्जित आयुर्वेदिक उपचार संस्थान है। जीवाग्राम की नींव जीवा आयुर्वेद संस्थान के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान प्रसिद्ध वैष्णव विद्वान और आध्यात्मिक गुरु श्री सत्यनारायण दास विश्व विख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉक्टर प्रताप चौहान युवा डायरेक्टर मधुसूदन चौहान द्वारा रखी गई थी। जीवाग्राम में आयुर्वेद चिकित्सा का संचालन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित आयुर्वेद आचार्य डॉ प्रताप चौहान युवा निदेशक मधुसूदन चौहान और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना प्रमुख काजल चौहान की देखरेख में किया जाता है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के ष्हेड ऑफ स्पेशल प्रोग्राम एंड ट्रेनिंग जयवीर सिंह ने भी अपना विशेष योगदान दिया। आज के समय में अध्यापकों की जीवन शैली बहुत व्यस्त एवं तनाव भरी होती है।विद्यालय प्रबंधन ने विषय को समझते हुए ही इस कार्यक्रम का

आयोजन किया। इस सत्र के माध्यम से उन्हें तनाव रहित रहने एवं स्वस्थ रहने के लिए अनेक सुझाव दिए

गए। विद्यालय प्रबंधन का यह प्रयास सभी अध्यापकों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध होगा। सत्र के दौरान उन्हें जीवाग्राम के ध्यान कक्ष योग कक्षए फार्मेसी प्राकृतिक चिकित्सा कक्ष रसोई डाइनिंग हॉल उपहार कक्ष और कला और शिल्प कक्ष इत्यादि का अवलोकन कराया गया। इसके साथ.साथ वहां स्थित उपचार कक्षों का अवलोकन कर सभी को बहुत अच्छा लगा। यदि जीवाग्राम के बुनियादी ढांचे पर नज़र डालें तो यह प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर एवं बहुत शांतिप्रिय स्थान है। प्रत्येक कमरे में शुद्ध रोशनी और ताजी हवा के लिए चौड़ी खिड़कियाँ हैंए इसके अलावा शीतलता के लिए दीवारों को गाय के गोबर चंदन और हल्दी पाउडर से रंगों से रंगा गया है। परिसर के चारों ओर झरनों की उपस्थिति एवं शानदार हरियाली ने प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ा दिया है। अध्यापकों को आवश्यक और सरल योग अभ्यास और ध्यान करने का अभ्यास कराया गया। उपचार प्रभाव के लिए कुछ त्वरित घरेलू नुस्खों पर भी चर्चा की गई। सात्विक भोजन और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के तरीके बताए गए।जीवाग्राम के आतिथ्य ने सभी अध्यापकों को कृतज्ञता और दायित्व से भर दिया। यह यात्रा अति ज्ञानवर्धकए रोमांचक रही जो जो अविस्मरणीय रहेगी।

चुनाव के बाद लोग लगाते रहे आंकलन, कांग्रेस प्रत्याशी के घर लगा रहा लोगों का तांता

Faridabad/Alive News

हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर संपन्न हुए चुनावों के बाद फरीदाबाद से कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी चौ. महेन्द्र प्रताप सिंह के सैनिक कॉलोनी स्थित निवास पर लोगों का तांता लगा रहा। लोकसभा क्षेत्र के अलग-अलग कोने से लोग कांग्रेस प्रत्याशी के पास मिलने आए और अपने-अपने आंकलन बताते रहे। इस मौके पर लोगों ने उनके सुपुत्र विजय प्रताप से मुलाकात की और उनको जीत का भरोसा दिलाते हुए कहा कि आगामी 4 जून को परिणाम आएंगे उसमें चौ. महेन्द्र प्रताप सिंह भारी मतों से विजयी होंगे। लोगों ने अपने क्षेत्र में पोलिंग एवं हालातों के बारे में भी अवगत कराया। इस अवसर पर चौ. विजय प्रताप सिंह ने भी क्षेत्र की जनता को आश्वस्त किया कि फरीदाबाद से सांसद बनने पर क्षेत्र के विकास को पंख लगाने का काम करेंगे। रुके हुए कार्यों को पूरा किया जाएगा, फरीदाबाद के हालात जो पिछले 10 साल में खराब हुए हैं, उनको सुधारा जाएगा और हरियाणा में नंबर 1 बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा विजन और नीति स्पष्ट है। फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र को उसका खोया हुआ गौरव फिर से लौटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के विकास को लेकर वह गंभीर है और आने वाले दिनों में फरीदाबाद की सूरत बदलने का काम चौ. महेन्द्र प्रताप सिंह करेंगे। आज जिन मूलभूत सुविधाओं के लिए लोग तरस रहे हैं, इनके लिए लोगों को बोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी, यह लोगों का हक है। हमारा लक्ष्य होगा इससे बेहतर फरीदाबाद, हरा भरा फरीदाबाद, स्वच्छ फरीदाबाद और उन्नत फरीदाबाद लोगों को देना।

कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूमो में सील की गई ईवीएमः निर्वाचन अधिकारी

Faridabad/Alive News

सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक अक्षय कुमार सिंह और जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह तथा राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईवीएम सीयू, बीयू और वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में सील किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी और सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक अक्षय कुमार सिंह तथा राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सबसे पहले बड़खल विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम सीयू, बीयू और वीवीपीएटी को स्ट्रांग रूम में सील किया गया। तत्पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह और सामान्य पर्यवेक्षक अक्षय कुमार सिंह एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम लखानी धर्मशाला में पहुंचे। जहां एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा व अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम को लॉक करके उसे सील किया गया। इसके पश्चात् सेक्टर-14 के डीएवी स्कूल के ऑडिटोरियम में फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम, वीवीपैट, सीयू और बीयु के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम को जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह, चुनाव पर्यवेक्षक खर्च सतीश एस रेड्डी की मौजूदगी में और उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लॉक करके सील किया गया। इसी प्रकार सेक्टर- 16 में के गुर्जर भवन में तिगांव विधानसभा क्षेत्र और पंजाबी भवन में पृथला विधानसभा क्षेत्र तथा बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-2 में श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला महाविद्यालय के हाल में बनाए गए स्ट्रांग रूम में पुलिस और फोर्स की कड़ी सुरक्षा बीच ईवीएम, वीवीपीएटी, सीयू और बीयु के स्ट्रांग रूम को सील किया गया। विधानसभा क्षेत्र वार किए गए स्ट्रांग रूम के सील करने के दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारी कम एडीसी आनंद शर्मा, सहायक रिटर्निंग

अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, सहायक रिटर्निंग अधिकारी कम एसडीएम त्रिलोकचंद, सहायक रिटर्निंग अधिकारी कम एसडीएम अमित मान, सहायक रिटर्निंग अधिकारी कम एसडीएम शिखा अंतिम और सहायक रिटर्निंग अधिकारी कम एस्टेट ऑफिसर सिद्धार्थ दहिया व अन्य प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधिकारी तथा फोर्स के अधिकारी व उम्मीदवारों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पानी की सप्लाई न होने के कारण लोगों ने सड़क रोककर किया प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

जवाहर कॉलोनी गली नम्बर-5 में पिछले दो महीनों से पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। कॉलोनी में पानी की सप्लाई न होने के कारण लोगों में काफी ज्यादा रोष है, जिस कारण से लोगों ने एनआईटी के 60 फीट सड़क को रोककर विधायक के खिलाफ प्रदर्शन किया और पीने के पानी की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की सप्लाई नियमित रूप से न होने के कारण लोगों को प्राइवेट टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। सप्लाई का पानी न आने के कारण लोगों के रोजमर्रा के काम भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं। स्कूली बच्चों और ड्यूटी पर जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना कि वह इसकी शिकायत नगर निगम के अधिकारियों को भी दे चुके हैं परंतु इस समस्या का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

क्या कहना है लोगों का

फरीदाबाद कहने को तो एक स्मार्ट सिटी है लेकिन देखा जाएं तो लोगों को यहां पर मूलभूत सुविधा भी नही मिल पा रही है। पानी हमारे जीवन का आधार है। परंतु इसके

बावजूद भी हमें यह सुविधा नियमित रूप से नही मिल पा रही है। गर्मी शुरू होते ही यह समस्या कम होने की बजाय ओर बढ़ जाती है।

-सुदेश, स्थानीय निवासी।

पानी की आपूर्ति न होने के कारण लोगों के रोजमर्रा के काम भी नहीं हो पा रहे हैं। शिकायत देने के बावजूद भी नगर निगम के अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं कर रहें है।

अर्चना, स्थानीय निवासी।

क्या कहना है अधिकारी का

पीछे टैक में से ही पानी बहुत कम आ रहा है जिसकी वजह से लोगों को नियमित रूप से पानी की सुविधा नही मिल पा रही है। उसको दुरुस्त करने के लिए हम लोग काम कर रहें हैं। जल्द लोगों तक पूरा पानी पहुचेगा।

-राजेश शर्मा, एसडीओ नगर निगम फरीदाबाद।

FMS CBSE Toppers Conferred with Sahodaya Utkrishta Puraskar

Faridabad/Alive News

Hon'ble Education Minister of Haryana Seema Trikha along with Hon'ble Member of Legislative Assembly Shri Rajesh Nagar felicitated the CBSE Toppers of FMS with Sahodaya Utkrishta Puraskar in a grand ceremony organized by Sahodaya School Complex. FMS Chairman Rotran H.S. Malik and Director Principal Shri Umang Malik, present on the occasion, congratulated the students, appreciated their hard work and motivated them to move ahead on their prosperous path. The students were motivated and got information about the strategies adopted by the toppers through the interactive session. The ceremony was a sincere effort to honor and celebrate the remarkable achievement of the students in CBSE X and XII Board Examination. It was aimed at empowering and recognizing the tireless efforts of the stakeholders, Principals and Senior Teachers of CBSE Schools.

JC Bose University student honored with Lala Hardayal Mathur Award

Faridabad/Alive News

J.C. Poorvika, a dedicated student pursuing M.Tech (VLSI) at Bose University of Science and Technology, has been awarded the Lala Har Dayal Mathur Award for her outstanding achievements in the field of education. In-depth knowledge of sports, and heritage of India.

The award, which consists of a citation and a cash prize of Rs 11,000, was presented by the founder of the award, Dr. Satish Bhatnagar, along with Vice-Chancellor Prof. In the esteemed presence of Sushil Kumar Tomar, Purvika was awarded. The felicitation ceremony was organized by the Faculty of Science and Life Sciences. Selection for the award was made by Dean (Science) Prof. It was based on the recommendations of the university's selection committee led by Neetu Gupta and Dean (Life Sciences) Prof. Anuradha Sharma. Dean (Management Studies) Prof. Ashutosh Nigam, Chairman of Mechanical Engineering, Prof. Arvind Gupta, Dr. Pawan Singh, Chairman of

Communication and Media Technology, Dr. Sonia, Chairman of Physics and other respected faculty members graced the occasion.

The Lala Har Dayal Mathur Award, established by Dr. Satish C. Bhatnagar, Professor of Mathematics at the University of Nevada Las Vegas, USA, pays tribute to the legacy of Lala Har Dayal Mathur (1884–1939), an Indian nationalist revolutionary. The freedom fighter is known for his versatility and strong commitment to India's independence. Dr. Bhatnagar's inspiration stems from the multifaceted contribution of Lala Har Dayal Mathur, who decided to leave his career in the Indian Civil Service. Vice Chancellor Professor Sushil Kumar Tomar commended Ms. Poorvika for her remarkable achievements and expressed his gratitude to Professor Bhatnagar for instituting this prestigious award to honor exceptional individuals like Poorvika.

VOTERS QUEUE UP AT POLLING BOOTHS IN DAV SECTOR-49

Faridabad/Alive News

DAV Public School, Sector-49 was designated as the polling station for the Lok Sabha polls this year. On 25 May 2024, 12 polling booths were set up for the casting of votes. The polling began as scheduled at 7 a.m. in the morning and continued till 6 p.m., thus allowing the voters ample time to cast their votes. The voters enthusiastically came to the school and exercised their franchise. The turnout was significant despite the scorching heat. The school administration made the requisite arrangements to welcome the voters in the Festival of Democracy. The arrangements made for the convenience of the voters were praised by one and all. The voting process concluded smoothly at the school.

जीवन को चुनें तंबाकू को नही! जेआरसी ने तंबाकू छोडने के लिए किया प्रेरित

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस द्वारा प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू के विनाशकारी प्रभावों के बारे में सजगता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि इस दिवस को मनाने का लक्ष्य सभी को किसी भी प्रकार के तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करना है। इस के साथ ही तंबाकू सेवन के हानिकारक विनाशकारी प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने और बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू चबाने आदि से दूर रहने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाता है। सामान्य जनों को तंबाकू से होने वाले स्वास्थ्य हानि के बारे में बताने के लिए विद्यालय में पेंटिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस इंचार्ज गीता, प्राध्यापिका सुशीला और धर्मपाल शास्त्री ने कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष नो टोबैको डे की थीम बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है चुनी गई है। इस थीम के माध्यम से डब्ल्यूएचओ उन नीतियों और उपायों को सभी तक पहुंचाने पर केंद्रित है जो तंबाकू उद्योग को हानिकारक तंबाकू उत्पादों के साथ युवाओं को लक्षित करने से रोकते हैं। सरकार और विभिन्न संस्थाएं किसानों को तम्बाकू उगाने के स्थान पर अधिक से अधिक अन्न उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहें हैं। यह अभियान सरकार से तम्बाकू उगाने पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाने की अपील भी करता है। विद्यालय में जूनियर रेडक्रॉस सदस्य छात्राओं ने तंबाकू के दुष्प्रभावों पर अपने विचार रखे।

DAV school-49 organized talent hunt award Ceremony

Faridabad/Alive News

DAV Public School, Sector-49 organized a Felicitation Ceremony on 18 May 2024 in the School Auditorium to acknowledge the winners of the engaging Talent Hunt events organised at 1A Block – NIT1, K Block Park – NIT 2, F Block Park -NIT 3, Leisure Valley Park (Dabua Colony), Hill View Park (Sainik Colony), Achievers Sports Park, and SGM Nagar. The parents and the winners were formally invited to attend the ceremony.The programme began with a prayer invoking God's blessings, followed by the welcome address. The talented students of class lll presented an array of performances, viz, riveting ramp walk, vibrant dance performances, an impressive PPT presentation and engaging role play. All the winners

of the different competitions – dancing, singing, drawing, poetry recitation conducted in the Talent Hunt were recognised for their stellar performances, and were bestowed with a certificate and a trophy. The scholars of Primary Wing who demonstrated excellent English speaking skills in the months of April and May were also honoured with a Certificate of Appreciation. The parents extended their heartfelt gratitude to the Principal, Mr Rajan Gautam, for acknowledging and applauding the star performers. It was a joyous programme, which concluded with a surprise Dinosaur Show.The event provided an enjoyable experience for all the attendees.

D.A.V. School-37 held Inter House Sports meet

Faridabad/Alive News

This ethos resonated at the Inter House Sports Meet held from 8 May 2024 to 13 May 2024 at D.A.V. Public School, Sector 37. The Meet was declared open on 8 May 2024 under the leadership of the visionary School Principal, Ms. Deepti Jagota. The Intramural Sports Meet showcased the athletic prowess, the indomitable spirit, exceptional skill, and brilliance of the participants of the six houses. The Girls' Basketball matches were intense and thrilling while the boys displayed fast-paced action, strategic teamwork, and exceptional footwork during the Football matches. The Nilgiri House bagged the First Position in the Girls' Basket Ball Match; the Himalaya House stood second and the third spot went to the Vindhyachal House. The Nilgiri House was declared the undisputed champion bagging the coveted First Position, the Everest House stood second and the Vindhyachal House claimed the third position in the Boys' Football Match. The Meet came to a close on 13 May 2024. The ground reverberated with victory

chants from the audience as the winners received their trophies. The School Principal in her address lauded the participants for their grit and discipline. She further stressed that it takes loads of discipline, hard work, grit and determination to become a sportsperson. She urged all the students to make sports an integral part of their lives as it not only builds character but also empowers them to lead a wholesome life.

Social Work students successfully completed 45-day internship at Sarvodaya Foundation

Faridabad/Alive News

The Department of Mass Communication and Media Technology at J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, successfully concluded a 45-day internship program at Sarvodaya Foundation for the final semester students of Social Work. A special ceremony took place at Sarvodaya Hospital Sector-8 Faridabad to acknowledge the students' achievements, with Dr Pawan Singh, Chairperson of the Department, and Dr Anshu Gupta, Managing Director of Sarvodaya Hospital, gracing the event as distinguished guests to present certificates to the students. The interns were not only felicitated with certificates but were also rewarded with cheques for their hard work. In addition, accolades were bestowed upon the students based

on the evaluation of their training reports, with Sahil Kaushik securing the first position and Fiona claiming the second spot. Dr. Anshu Gupta commended the students for their dedication during the training and extended heartfelt wishes for their future endeavours. Reflecting on the impactful work at Devashraya Animal Hospital, she emphasized the importance of advocating for voiceless animals and urged everyone to contribute to serving them at individual capacities. During the event, Dr. Pawan Singh expressed gratitude to the institution and congratulated all the students for their outstanding performance. He inspired the students to embody good citizenship values and highlighted the additional responsibilities that come with being a social work student. Dr. Singh emphasized the significance of working towards societal welfare and expressed optimism for the continuous collaboration between Sarvodaya Foundation and the University. Prof. Sushil Tomar, the Vice-Chancellor of the University, lauded the department's initiative, envisioning a future where the Media Department, through its Social Work Program students, continues to lead in social initiatives for the betterment of society. Dr. Tabish, Dr. Akhilesh, HR Head of Sarvodaya Sonal Gupta, Bela Goyal, and Priyanka Adarsh were also in attendance, enriching the event with their presence.

DAV school NH-3 school organized SUMMER CAMP

Faridabad/Alive News

DAV NH-3 School organized SUMMER CAMP '2024 in the school. The summer Camp commenced on 20 May . Summer Camp included Sports , Computer and Creative Activities .Recreation for the anxious children during the holidays gave them an opportunity to learn new skills – Dance, Art and Craft , Theatre, Singing and excel in Sports. Students participated in the events with great zeal and enthusiasm. In keeping with the theme of creativity, Art and Craft Activities, Clay Modelling, Creating Best out of Waste activities were carried out to help the students to develop

their bilateral coordination, fine

motor skills, promote their artistic efforts . Champions keep playing until they get it right. Students had a fun time enjoying Sports Activities.

They were delighted to participate in Volleyball , Archery and Cricket matches. Skating and Martial Art was carried out by professional trainers. Music and Dance are great stress removers. Dancers are the messengers of the Gods. Dance , Music and Theatre were also a part to shorthand the emotion . To enhance the Computer Skills Brochure Making ,Poster designing , Video Making etc were taught to the students . The camp aimed at keeping the students engaged and provided them an even platform to explore and express their creativity in any form as per their interest. Certificate of participation was given to all the students. It was a memorable moment for all the students to be a part of the Summer Camp as they were able to overcome their fears, try new things , pushed their boundaries and realize self sufficiency. We concluded the camp with a Grand Closing Ceremony of Summer Camp with a Volley Ball Match followed by the Exhibition . Principal Jyoti Dahiya acclaimed the participation of students in all the

activities. She motivated the students to follow their hobbies and enjoy their summer vacation and also to be at home and stay healthy and safe. Every year students also look forward for this kind of camp to enhance their knowledge and skills.

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

सभी रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों का डाटा पोर्टल पर होगा अपलोड : सीटीएम

Faridabad/Alive News

सीटीएम अंकित कुमार ने बताया कि हरियाणा एनआईसी द्वारा बनाए गए एचआरएमएस पोर्टल को अपग्रेड कर उसमें नए मोड्यूल डिजाइन किए गए है। जिसके अंदर नए सिरे से सभी रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों का डाटा अपलोड किया जायेगा। हरियाणा सरकार ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट द्वारा आज एचआरएमएस पोर्टल के अपडेशन को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई। सीटीएम अंकित कुमार ने कहा कि एचआरएमएस 2.0 पोस्ट पोर्टल का अपडेटेड वर्जन है। पोर्टल पर पहले जितनी भी समस्या बताई गई थी उन सबको दूर कर दिया गया है। सभी कर्मचारी एक सप्ताह के अंदर सभी रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड करवाने। साथ ही डाटा अपलोड करने में किसी भी तरह की समस्या होने पर दिए गए नंबर 0172-2714004 ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट में संपर्क कर सकते है।

धमकी देने की बजाय सरकार कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान कर नाराजगी दूर करें-सुभाष लांबा

Faridabad/Alive News

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री आए दिन कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर चुनाव में विपक्षी दलों की मदद करने का आरोप लगाकर 4 जून के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई करने की लगातार धमकी दे रहे हैं। जिसको लेकर राज्य कर्मचारियों में भारी आक्रोश पैदा हो रहा है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बृहस्पतिवार को इस पर कड़ी नाराजगी जताई और इसकी घोर निन्दा की है। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों को धमकाने की बजाय उनकी लंबित मांगों का समाधान कर उनमें सरकार के खिलाफ बढ़ रही नाराजगी को दूर करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए। लेकिन सरकार ऐसा करने की बजाय उसको धमकी देकर आक्रोश को बढ़ाने का ही काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी ही इतनी भीषण गर्मी में बिजली अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में दिन रात जुटे हुए हैं। सरकार को उनकी पीठ थपथपाने की बजाय उनपर गलत आरोप लगाकर उनके मनोबल को तोड़ने का काम नहीं करना चाहिए। श्री लांबा ने

बताया कि कर्मचारियों के आंदोलन के दबाव में हरियाणा सरकार ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को एग्जामिन करने के नाम पर एक कमेटी का गठन किया था। जिसको बाद में यह कहकर ठंडे बस्ते में डाल दिया की केन्द्र सरकार द्वारा इस मामले में गठित कमेटी के आउटकम के बाद ही सरकार कोई फैसला करेगी। जबकि केन्द्र सरकार तो पुरानी पेंशन बहाली की मांग को मानने के लिए स्पष्ट मना कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी तक पचास प्रतिशत डीए होने के बाद एचआरए के स्लैब में 10-20-30 करने का भी पत्र तक जारी नहीं किया। जबकि केन्द्रीय कर्मचारी उक्त लाभ ले चुके हैं। जिसके कारण कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एक से तीन हजार रुपए तक प्रति महीने नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनवरी,2026 से आठवां पे कमीशन लागू किया जाना चाहिए। लेकिन केन्द्र सरकार ने इसके गठन से ही साफ इंकार कर दिया है। इतना ही नहीं केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं पीएसयू के खाली पड़े करीब एक करोड़ रिक्त पदों को पक्की भर्ती से नहीं भरा जा रहा है। जिससे कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ रहा है। हरियाणा में भी कई लाख पद रिक्त पड़े हैं। लेकिन उसको पक्की भर्ती से नहीं भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले पांच साल में मांगों का समाधान करना तो दूर प्रमुख कर्मचारी संगठनों से बातचीत तक करना आवश्यक नहीं समझा। जबकि राज्य कर्मियों का प्रमुख संगठन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा निरंतरता में लोकतांत्रिक तरीके से रैलियां , धरने, प्रदर्शन , हड़ताल व भूख हड़ताल आदि आंदोलन कर सरकार के सामने कर्मचारियों की मांगों को उठाता रहा है। यहां तक कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी एसकेएस ने मांगों के ज्ञापन भाजपा प्रत्याशियों को दिए गए। लेकिन किसी भी प्रत्याशी ने कर्मचारियों की मांगों पर एक शब्द तक बोलना उचित नहीं समझा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नाराजगी के बावजूद चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों ने पूरी ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ अपने कृतत्व का निर्वहन किया है। कर्मचारियों पर पक्षपात का आरोपी बिल्कुल ग़लत एवं निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी भी देश के नागरिक एवं मतदाता हैं। वह किसी राजनीतिक दल के गुलाम नहीं है। कर्मचारियों को भी अपने विवेक से सरकार चुनने का संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकतर है। जिसको कोई छीन नहीं सकता है।

फरीदाबाद के 12 पुलिसकर्मियों की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

Faridabad/Alive News

संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल ने 12 पुलिसकर्मियों को सेवानिवृत्ति पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय जसलीन कौर सहित पुलिस आयुक्त कार्यालय के पुलिसकर्मी मौजूद रहे। आज सेवानिवृत्ति पाने वाले सब इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह, देवेन्द्र कुमार, बलजीत सिंह, विजय कुमार, रुराराम, जितेन्द्र सिंह, विजय कुमार, मुरारी लाल, मुख्य सिपाही वेदपाल सिंह, रामपाल सिंह, अशोक कुमार व अमर सिंह के परिजन भी विदाई समारोह में शामिल हुए। संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल ने कहा कि इन पुलिसकर्मियों ने सारी उम्र अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में लगा दी और अपने आप को आमजन की सेवा में समर्पित कर दिया। अब रिटायर होकर आप अपने परिवार के साथ शांतिपूर्वक और खुशी से अपना जीवन व्यतीत करें। पुलिस विभाग में कार्यरत रहकर पुलिस कार्यों में अपना योगदान दिया और समाज सेवा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इनकी कड़ी मेहनत और तपस्या के लिए इनका धन्यवाद करते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी रिटायर्ड पुलिसकर्मी पुलिस परिवार का हिस्सा रहेंगे और उन्हें यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो वह बेझिझक अपने पुलिस परिवार से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस विभाग परिवारों की सहायता करने के लिए हमेशा तैयार रहेगा और हमें अपने पुलिस परिवार की मदद करने में बहुत खुशी होगी।। संयुक्त पुलिस आयुक्त व पुलिस उपायुक्त मुख्यालय जसलीन कौर ने सभी सदस्यों को भेंट स्वरूप उपहार देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

रिधिमा व विधिका कौशिक ने स्वर्ण पदक जीतकर किया फरीदाबाद का नाम रोशन

Faridabad/Alive News

जिला फरीदाबाद की रिधिमा कौशिक व विधिका कौशिक ने स्वर्ण पदक जीतकर फरीदाबाद का नाम रोशन प्रदेश और देश में किया है। यह जानकारी हरियाणा रेड क्रॉस के सेवानिवृत्त महासचिव डी.आर. शर्मा ने दी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों बेटियों ने किकबॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने जिला, राज्य और देश का नाम रोशन किया है। दोनों बेटियों नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल जीत कर लाई हैं। रिधिमा व विधिका हरियाणा रेड क्रॉस के सेवानिवृत्त महासचिव डी.आर. शर्मा की भतीजियां है। डी.आर. शर्मा ने कहा कि ये युवा प्रतिभाएं देश का भविष्य हैं और इनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। रिधिमा और विधिका की इस सफलता से यह साबित होता है कि मेहनत और समर्पण से किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। फरीदाबाद और हरियाणा को इन दोनों युवा खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने बताया कि 13 साल की रिधिमा ने केवल 4 साल की उम्र में किकबॉक्सिंग की शुरुआत की थी और अपनी मेहनत और लगन से विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए हैं। 13 वर्षीय रिधिमा ने महाराष्ट्र के पुणे स्थित श्री शिव छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में आयोजित नेशनल किकबॉक्सिंग चिल्ड्रन किड्स चैंपियनशिप में भाग लिया और कई पदक जीते और इसी प्रतियोगिता में 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग में 28 किलोग्राम से कम वजन श्रेणी में, रिधिमा की बहन विधिका कौशिक ने भी किक लाइट और लाइट कॉन्टैक्ट इवेंट्स में स्वर्ण पदक जीते। विधिका ने किक लाइट इवेंट में महाराष्ट्र और हरियाणा के खिलाड़ियों को पराजित किया और लाइट कॉन्टैक्ट इवेंट में महाराष्ट्र और मणिपुर के खिलाड़ियों को हराया। इसके साथ ही उन्होंने टीम इवेंट में कांस्य पदक भी जीता, जिसमें महाराष्ट्र की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रिधिमा और विधिका की इस शानदार उपलब्धि पर उनके कोच, परिवार और फरीदाबाद के लोगों ने गर्व व्यक्त किया।

सूर्या ऑर्थो अस्पताल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

सूर्या हॉस्पिटल की सालगिरह के उपलक्ष्य में सूर्या अस्पताल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 101 यूनिट्स का कलेक्शन किया गया। सभी रक्तदाताओं को वीआईपी का दर्जा दिया गया। इस शिविर के अयोजन मे मुख्यता रोटरी क्लब हेरिटेज के दीपक प्रसाद और उनके साथी फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के रविंद्र दुदेजा, शक्ति सेवा दल से मोहन लाल अरोड़ा,कालू प्रधान, राजेंद्र भाटिया; संजय भाटिया;सूर्या अस्पताल से डॉक्टर सुरेश अरोड़ा,डॉक्टर राकेश मेहता, डॉक्टर करन अरोड़ा, डाक्टर रोहन मेहता(डोनर), रमेश, श्याम(डोनर),नंद किशोर(डोनर), पवन(पवन),संजय,वंशिका, दीनू और अन्य कई स्टाफ का सहयोग रहा। रक्तदान करने वालों मे डाक्टर रोहन मेहता,डॉक्टर अंकिता, दर्शन भाटिया,सतीश अरोड़ा एडवोकेट, गांव बडोली, पाली और मेवला महाराजपुर के बहुत से

रक्तदाता,राहुल के करीब 12 मित्र,अनिल नसवा,अमित भाटिया, डाक्टर करन अरोड़ा के मित्र रूहानी, अबीरा, अधिराज; विकास तनेजा,चंदर कांत, काजल भाटिया,मोहित विरमानी, टोनी पहलवान के सपुत्र, व बहुत से अन्य रक्तदाताओं का सहयोग रहा। रोटरी क्लब और सूर्या ऑर्थो अस्पताल की तरफ़ से सभी को खानपान का सामान और गिफ्ट्स प्रदान किए गए।रमेश चंदीला द्वारा सबसे अधिक रक्तदाताओं को मोटिवेट कर के शिविर में लाया गया।रोटरी ब्लड बैंक के स्टाफ द्वारा न केवल बहुत मेहनत से रक्त इक्कठा किया, बल्कि उनकी टीम के तीन सदस्यों ने स्वयं भी रक्त दान किया।

पानी न आने पर एनआईटी विधायक ने एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारियों के साथ की बैठक

Faridabad/Alive News

भीषण गर्मी में एनआईटी-86 में बढ़ती पानी की किल्लत को लेकर विधायक नीरज शर्मा ने सोमवार को ए. मौना श्री निवास से मुलाकात की थी। आज एनआईटी-86 में 10 दिन से पानी न आने पर विधायक नीरज शर्मा ने एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि भाजपा के लोगों द्वारा राजनीति दबाव के चलते एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारी एनआईटी-86 की जनता के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे है और 10 दिन से इस इलाके में पानी नहीं आ रहा है।

इस भीषण गर्मी में पेयजल की सबसे ज्यादा मार एनआईटी-86 के इलाके के लोगों को झेलनी पड़ रही है। यहां के लोगों को टैंकर से खरीदकर पानी की जरूरत पूरी करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके लिए भाजपा के लोग एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारियों पर दबाव बनाकर पानी की सप्लाई रूकवा रहे है। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि इस समय रैनीवैल की कुल 8 लाईनें है और पानी की

प्रोटेक्शन है 192 एम0 एल. डी.है और एनआईटी-86 को 10 एम.एल.डी.पानी भी नहीं मिल रहा है।

फरीदाबाद में साढ़े चार विधानसभा है और 40 एम0एल0डी0 पानी एनआईटी विधानसभा-86 का हक बनता है। विधायक नीरज शर्मा ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि एनआईटी-86 की जनता को अगर दो दिन के अंदर-अंदर 40 एम.एल.डी. पानी प्रतिदिन नहीं मिला तो एनआईटी-86 की जनता कठोर कदम उठाने को मजबूर हो जाएगी। निगम प्रशासन ने विधायक जी से एनआईटी-86 को पूरी तरह पानी की आपूर्ति के लिए 2 दिन का समय मांगा है।

विधायक ने अपील की है कि पानी को लेकर राजनीति न करें पानी सबको दिया जाए। पानी के बिना किसी का भी गुजारा नहीं है इसलिए एनआईटी-86 की जनता को उसका हक दिया जाए।बैठक में पूर्व पार्षद जयवीर खटाना, दीपक चौधरी तथा निगम के अन्य अधिकारीगण भी मौजूद थे।

वीडियो कान्फ्रेंस के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली मौके पर संबंधित अधिकारियों की बैठक

Faridabad/Alive News

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने मतगणना का कार्य सुचारू रूप से संपन्न करवाने के उद्देश्य से सहायक निर्वाचन अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के लिए सभी जरूरी प्रबंध निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। गुरुवार को दोपहर बाद हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश स्तरीय बैठक लेते हुए मतगणना की तैयारियों की जिला वार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फरीदाबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने प्राप्त दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना का भरोसा दिया। साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपरांत मौके पर ही संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने विस्तार से मतगणना की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने पोस्टल बैलेट की गिनती से लेकर अन्य आवश्यक प्रबंधों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम आदि लेकर जाना वर्जित रहेगा। उन्होंने रेंडेमाईजेशन आदि के लिए भी जरूरी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. आनंद शर्मा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, जिला परिषद के सीईओ सतबीर मान, एसडीएम त्रिलोकचंद, एसडीएम अमित मान, एसडीएम शिखा, एचएसवीपी के एस्टेट ऑफिसर सिद्धार्थ दहिया, डीआईओ लक्ष्मी नारायण मित्तल, चुनाव तहसीलदार जयकिशन आदि अधिकारीगण मौजूद थे।

पानी की समस्या को लेकर एफएमडीए कार्यालय पर सैनिक कालोनी के लोगों का जोरदार प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

वार्ड-16 की सैनिक कालोनी सेक्टर-49 में गर्मी आते ही पानी की किल्लत शुरू हो जाती है। इस बार भी भीषण गर्मी में सेक्टर में पानी नही पहुंच रहा है। आज मंगलवार को पानी की समस्या को लेकर सैनिक कालोनी के लोग सेक्टर-12 स्थित फरीदाबाद विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) के कार्यालय पर पहुंचे और अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

कालोनी के लोगों ने जब तक प्रदर्शन जा रखा वहां पर एफएमडीए का कोई अधिकारी नही पहुंचा। प्रदर्शन के करीब तीन घंटे बाद एफएमडीए के अधिकारियों ने शिकायत लेकर आश्वासन दिया तब जाकर लोग शांत हुए।दरसल, सैनिक कालोनी में पानी की किल्लत गर्मी के आगमन के साथ शुरू हो जाती है। इस प्रकार से पिछले दस साल से चला आ रहा है। लेकिन एफएमडीए के उच्च अधिकारियों ध्यान कालोनी की समस्या नही जा रहा है।

कालोनी में आबादी के हिसाब से 40 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है लेकिन लोगों के घर तक 20 लाख लीटर पानी ही पहुंच पा रहा है जिसकी वजह से गर्मी आते ही कालोनी में पानी की किल्लत शुरू हो जाती है।सैनिक कालोनी से पानी समस्या को लेकर प्रदर्शन कर रहे राजू ने बताया कि एफएमडीए उन्हें 20 लाख लीटर पानी सप्लाई कर रहा है जबकि लोग 40 लाख लीटर पानी की मांग करते हैं।

उनका कहना है कि उन्होंने कई बार एफएमडीए के एक्सईएन अंकित भारद्वाज को पानी की समस्या से अवगत कराया, परंतु वह यह कहकर बात को टालते रहते हैं कि उनकी ओर से पानी पूरा दिया जा रहा है। बल्कि नगर निगम बूस्टर से सप्लाई नहीं दे रहा होगा। जबकि बूस्टर तक पूरा पानी नही पहुंच रहा। उन्होंने बताया कि आज प्रदर्शन तब तक चलेगा जब तक अधिकारी पानी की सप्लाई पूरी नही देते। प्रदर्शन के दौरान अजय श्रीवास्तव, डॉ शत्रुघ्न सिंह, हरजीत नारंग, सुभाष कौशिक, डॉ मृत्युंजय जायसवाल, वी. के भाटिया और अनिल कुमार अरोड़ा ने कहा कि एफएमडीए के अधिकारियों और नगर निगम के बीच लोग फंसकर रह गए हैं। लेकिन गर्मी में बिना पानी के काम नही चल सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन को उनकी समस्या पर ध्यान देना चाहिए।

भारतीय न्याय संहिता के बारे में लॉ के विद्यार्थियों को पुलिस उपायुक्त एनआईटी ने किया जागरूक

Faridabad/Alive News

पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त विष्णु प्रसाद एनआईटी ने मानव रचना यूनिवर्सिटी में भारतीय न्याय संहिता 2023 की जानकारी देकर जागरुक किया है। इस सेमिनार में एस. एन. श्रीवास्तव पूर्व पुलिस कमिश्नर दिल्ली के द्वारा भी पुलिसकर्मियो व विद्यार्थियो का संबोधन किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आज पुलिस उपायुक्त एनआईटी व उनकी टीम द्वारा मानव रचना यूनिवर्सिटी में आयोजित किए गए सेमिनार शिर्षक Involvement of law students in practical and legal training of police constable में भारतीय न्याय संहिता 2023 के संबंध में एस. एन. श्रीवास्तव पूर्व पुलिस कमिश्नर दिल्ली के द्वारा पुलिस कर्मचारियों व मानव रचना यूनिवर्सिटी के लॉ विद्यार्थियों को संबोधित कर उनकी आशंकाओं को दूर किया

जिलाधीश ने ड्रोन उड़ाने पर लगाई पाबंदी, आदेश जारी

Faridabad/Alive News

जिलाधीश एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने दंड प्रक्रिया 1973 की धारा 144 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगामी चार जून को मतगणना संपन्न होने तक मतगणना केंद्रों के आसपास के 200 मीटर क्षेत्र में धारा 144 लगाने, ड्रोन नियम 2021 के तहत जिला फरीदाबाद में ड्रोन, ग्लाइडर का उपयोग व उड़ाने पर प्रतिबंध, मतगणना क्षेत्र को रेड जोन तथा मतगणना केंद्रों के 100 मीटर क्षेत्र को चार जून के दिन पैदल क्षेत्र घोषित किया है। जिलाधीश विक्रम सिंह ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 दिनांक- 25 मई 2024 को हरियाणा में संपन्न हुए है। आम चुनाव 2024 के वोटों की मतगणना दिनांक 04.06.2024 को पंजाबी भवन, सेक्टर-16, फरीदाबाद, लखानी धर्मशाला, एनआईटी, फरीदाबाद, दौलत राम खान धर्मशाला, एनआईटी, फरीदाबाद, श्रीमति सुषमा स्वराज, सरकारी महिला कॉलेज, सेक्टर-2, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, महात्मा हंसराज ऑडिटोरियम, डीएवी स्कूल, सेक्टर-14, फरीदाबाद तथा गुर्जर भवन, सेक्टर-16, फरीदाबाद पर होनी है। उक्त क्षेत्र में मतगणना के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा-144 लगाने तथा मतगणना क्षेत्र का रैड जोन घोषित किए जाने की आवश्यकता है। जिले में स्थापित किए गए मतगणना केंद्रों के आसपास 200 मीटर के दायरे में जिलाधीश विक्रम सिंह ने जिला फरीदाबाद में धारा 144 लगाने के आदेश जारी किए हैं।

गांधी कॉलोनी में एक सप्ताह से पानी न आने के पर लोगों ने दो दिन की सड़क जाम

Faridabad/Alive News

गांधी कॉलोनी में करीब एक सप्ताह से पानी की किल्लत के कारण हाहाकार मचा हुआ है जिसको लेकर लोगो ने लगातार दो दिन सड़क जाम कर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों ने ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के सामने वाली सड़क को जाम कर कहा कि सड़क तब तक नहीं खुलेगी जब तक उनके घरों में सप्लाई का पानी नही आ जाता। नगर निगम के अधिकारी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समाधान कर जाम खुलवाया।

पानी की आपूर्ति न होने के कारण लोगों को प्राइवेट टैकर पर निर्भर रहना पड़ रहा है नियमित रूप से पानी की आपूर्ति न होने के कारण लोगों के रोजमर्रा के काम भी नहीं हो पा रहे है।

क्या कहना है लोगों का

गर्मी शुरू होते ही पानी की समस्या होने लगती है। पानी की आपूर्ति न होने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई बाधित हो रही है।

-कमला, स्थानीय निवासी

पानी की उचित व्यवस्था न होने के कारण हम लोगों को प्राइवेट टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा हैं गर्मी में पानी की अधिक खपत के कारण 500 रुपए का टैंकर हर सप्ताह खरीदना पड़ रहा है । हम लोग गांधी कॉलोनी में रहते हैं हमारी इतनी इनकम नहीं है कि हर सप्ताह 500 रुपए टैंकर खरीद कर खाने,नहाने और धोने के लिए पानी खरीद सकें।

-श्याम, स्थानीय निवासी

नगर निगम में शिकायत करने पर अधिकारियों का जवाब होता है की बूस्टर की मोटर खराब है अधिकारी का कहना है कि जैसे ही बूस्टर की मोटर ठीक होगी पानी की सप्लाई शुरू हो जायेगी।

-अजय भाटिया, स्थानीय निवासी

गुडियर इंडिया लिमिटेड कम्पनी के सहयोग से पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने कार्यालय में किया सोलर पैनल सिस्टम का उद्घाटन

Faridabad/Alive News

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने आज सेक्टर 21ष् स्थित अपने कार्यालय में सोलर पैनल सिस्टम व वाटर रेन हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर सिस्टम का उद्घाटन किया। इस अवसर संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल, डीसीपी सेन्ट्रल जसलीन कौर, एसीपी मुख्यालय अभिमन्यु गोयत, एसओ भारतेंन्द्र एसीपी के साथ गुडियर कम्पनी की तरफ से मैनिफेक्चरिंग डायरेक्टर सुधीर वैजनापुरकर, एचआर डायरेक्टर, एलटी टीम मैनेजर अभिषेक, लीगल काउंसल कम्पनी सेक्रेटरी अनुप, प्लांट हेड बल्लबगढ़ योगेश, श्वद्मश्वद्धह्लद्ध स्रश्वह्लठ्ठस्रड्डह्लद्धश्वठ्ठ से प्रोजेक्ट हेड आशुतोष शर्मा व नवजोती इंडिया फाउडेसन से मैनेजर शिल्पा के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभी कर्मचारी और अन्य आगंतुक मौजूद रहे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त व मंच पर मौजूद अन्य अतिथियो को पौधा भेंट करके प्रोग्राम की शुरुआत की गई। प्रोग्राम के दौरान मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य ने सोलर सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में जानकारी देकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होने बताया कि गर्मी के दिनों में लाईट चली जाने पर जनरेटर का प्रयोग किया जाता है जिससे वायु प्रदूषण होता है। जनरेटर से ऑफिस के सभी कार्यालयो व थाना में पूर्ण रुप से बिजली देना संभव नही होता है। जिससे कार्य प्रभावित होते हैं। फरीदाबाद की गुडियर इंडिया लि0 कम्पनी द्वारा सोलर पैनल सिस्टम व रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का सीएसआर के तहत इंस्टोलेशन कराकर पुलिस का सहयोग किया है। सोलर पैनल को श्वयह्ल॥ कम्पनी ने स्थापित किया है। इसके साथ ही कार्यालय पुलिस आयुक्त व 3 थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी स्थापित किए गए है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनने के पश्चात अब वर्षा के जल का उपयोग ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने में किया जा सकेगा। इन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की कैपेसिटी करीब 56 लाख लीटर है जो पूर्णतः रिचार्ज होते है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के 2-2 टेंक थाना सेक्टर-31, सारन व मुजेसर तथा एक टेंक पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-21-सी में स्थापित किए गए है। इन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की लागत करीब 25 लाख रुपए आई है। इसके बनने से आसपास लगे हुए पानी के पंप में जल की कमी नहीं होगी और वह लंबे समय तक चल सकेंगे। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने कहा कि इस प्रकार के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सभी को आवश्यकता है। उन्होने कहा कि फरीदाबाद के अन्य संस्थानों में भी इस प्रकार की रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगने चाहिए। इसके साथ ही उन्होने पुलिस थाना के अधिकारी और कर्मचारी को सोलर पैनल व हार्वेस्टिंग सिस्टम की देख रेख का भी विषेश ध्यान रखने की बात कही है।

Advertisement

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448